लखनऊ

सोमवार, 18 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 38

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

कुछ चीजें कमजोर की हिफाजत में महफूज रहती है, जैसे मिट्टी की गुल्लक में लोहे के सिक्के बस विश्वास होना चाहिए

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता टली, व्यापार समझौते की उम्मीदों को बड़ा झटका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और भारत के बीच होने वाली महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता फिलहाल के लिए टल गई है। अमेरिकी व्यापार वार्ताकारों का 25 से 29 अगस्त तक नई दिल्ली का दौरा रद्द हो गया है। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत को आगे बढाना था। एक सूत्र के मुताबिक, इस वार्ता के रद्द होने से प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत में देरी होगी। इसके अलावा, 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर लगने वाले अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ से भी जल्द राहत मिलने की उम्मीदें कम हो गई हैं। अमेरिकी दूतावास ने इस मामले पर कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि यह मामला यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) के पास है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने भी इस पर कोई तुरंत जवाब नहीं दिया है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। उन्होंने इसका कारण भारत द्वारा रूसी तेल का लगातार आयात करना बताया था, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ गया था। यह नया टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। इसके बाद, कुछ भारतीय निर्यात पर कुल शुल्क 50% तक बढ जाएगा, जो कि अमेरिका के किसी भी व्यापारिक साझेदार पर लगाए गए सबसे ज्यादा शुल्कों में से एक है। भारत और अमेरिका के बीच अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन ये सफल नहीं हो पाई। मुख्य मतभेद भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्रों को खोलने और रूसी तेल खरीदने को लेकर हैं। भारत के विदेश मंत्रालय का कहना है कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोपीय संघ खुद भी रूस से सामान खरीदना जारी रखे हुए हैं।

'जिन्ना से पहले सावरकर ने दिया द्वि-राष्ट्र विचार', प्रियांक खरगे ने आंबेडकर के बयान का दिया हवाला

बंगलूरू। कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने दावा किया है कि द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की अवधारणा मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग द्वारा दिए जाने से पहले विनायक दामोदर सावरकर द्वारा दी गई थी। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, 'द्वि-राष्ट्र का विचार सबसे पहले वीर सावरकर ने रखा था और उनके टुकड़े-टुकड़े गिरोह ने इसका समर्थन किया था।' प्रियांक खरगे ने सावरकर के लेखों और भाषणों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में बताया 'एसेंशियल्स ऑफ हिंदुत्व (1922 में लिखी गई) में, सावरकर हिंदुत्व को धर्म से नहीं, बल्कि मातृभूमि से परिभाषित करते हैं, भारत को 'पितृभूमि और पवित्रभूमि' दोनों के रूप में परिभाषित करते हैं।' खरगे ने बताया कि '1937 में अहमदाबाद में हिंदू महासभा के 19वें अधिवेशन के दौरान, सावरकर ने कहा था, भारत में दो विरोधी राष्ट्र एक साथ रह रहे हैं। आज के भारत को एकात्मक और समरूप राष्ट्र नहीं माना जा सकता। बल्कि भारत में मुख्य तौर पर दो देश हैं: जिनमें हिंदू और मुसलमान हैं।' प्रियांक खरगे ने 1943 में सावरकर द्वारा नागपुर में की गई टिप्पणी का हवाला दिया।

'हलफनामा दें या देश से माफी मांगें? तीसरा कोई रास्ता नहीं'

मुख्य चुनाव आयुक्त की राहुल को चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मकसद मतदाता सूचियों में सभी कमियों को दूर करना है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल इसके बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। यह बात कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों की ओर से कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ चुनावी राज्य बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू करने के दिन आया।

चुनाव आयोग ने आरोपों को निराधार बताया

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोहरे मतदान और 'वोट चोरी' के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सभी हितधारक पारदर्शी तरीके से एसआईआर को सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल और उनके नेता बिहार में SIR के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। चुनाव आयोग सभी राजनीतिक दलों से बिहार में मसौदा मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का आग्रह करता है। अब भी 15 दिन बाकी हैं।'

'चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिए खुले'

उन्होंने कहा, 'चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। बूथ स्तर के अधिकारी और एजेंट पारदर्शी तरीके से मिलकर काम कर रहे हैं।' मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता। सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दल चुनाव प्राधिकरण के समक्ष समान हैं। उन्होंने कहा, 'अगर 45 दिनों के भीतर चुनाव याचिकाएं दायर नहीं की जातीं और वोट चोरी के आरोप लगाए जाते हैं, तो यह भारतीय संविधान का अपमान है।'

'दोहरे मतदान और 'वोट चोरी' के निराधार आरोपों से नहीं डरते'

ज्ञानेश कुमार ने जोर देकर कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही मतदाता दोहरे मतदान और 'वोट चोरी' के निराधार आरोपों से डरते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग कुछ लोगों की ओर से की जा रही राजनीति की परवाह किए बिना सभी वर्गों के मतदाताओं के साथ दृढ़ रहेगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची संशोधन और 'वोट चोरी' से जुड़े कांग्रेस के आरोपों पर अपना हमला तेज कर दिया है।

1.6 लाख BLA ने मिलकर एक मसौदा सूची तैयार की

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, 'पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में त्रुटियों को सुधारने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने बिहार से एक विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत की है। SIR की प्रक्रिया में सभी मतदाताओं, बूथ स्तर के अधिकारियों और सभी राजनीतिक दलों द्वारा नामित 1.6 लाख BLA ने मिलकर एक मसौदा सूची तैयार की है।' उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया में एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारी, 10 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट, उम्मीदवारों के 20 लाख से ज्यादा पोलिंग एजेंट काम करते हैं। इतने सारे लोगों के सामने इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में क्या कोई मतदाता वोट चुरा सकता है?

वोट चोरी जैसे गलत शब्दों का इस्तेमाल संविधान का अपमान

उन्होंने कहा कि अगर सही समय पर त्रुटि हटाने का आवेदन न किया जाए और वोट चोरी जैसे गलत शब्दों का इस्तेमाल कर जनता को गुमराह किया जाए तो यह तो गलत है। यह संविधान का अपमान नहीं तो और क्या है। कुछ लोगों ने ऐसे ही बेबुनियाद आरोप लगाए। जब उनसे सबूत मांगे गए तो जवाब नहीं दिया गया। मतदाताओं के तस्वीरों का इस्तेमाल बिना उनकी इजाजत के किया गया, यह लोकतंत्र का अपमान नहीं तो और क्या है। ऐसे बेबुनियाद आरोपों से चुनाव आयोग डरने वाला नहीं है। विपक्ष चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में हम साफ कर देते हैं कि चुनाव आयोग बिना किसी डर के गरीब, अमीर, बुजुर्ग, महिला, युवा समेत सभी धर्मों-वर्गों के लोगों के साथ चट्टान की तरह खड़ा था, खड़ा है और खड़ा रहेगा।

'कुछ लोग हमें मिले जनता के आशीर्वाद को पचा नहीं पा रहे', एसआईआर विवाद के बीच पीएम मोदी का विपक्ष पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की सौगात दी। उन्होंने दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में दिल्ली खंड का द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) शामिल हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे।

इस दौरान पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा की सरकार दिल्ली के चारो तरफ है। यह दिखाता है जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। यही आशीर्वाद कुछ लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। वे जनता से दूर हो चुके हैं। जमीन से दूर हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक्सप्रेस वे का नाम द्वारका, जहां ये कार्यक्रम हो रहा है, उस स्थान का नाम रोहिणी, जन्माष्टमी का उल्लास और संयोग से मैं भी द्वारिकाधीश की भूमि से हूं। पूरा माहौल कृष्णमय हो गया है। अगस्त के ये महीना आजादी और क्रांति के रंग में रंगा होता है। आजादी के इसी महोत्सव के बीच आज देश की राजधानी दिल्ली, देश में हो रही विकास क्रांति की साक्षी बन रही है।

उन्होंने कहा, 'थोड़ी देर पहले दिल्ली को द्वारका एक्सप्रेस वे और अर्बन एक्सटेंशन रोड की कनेक्टिविटी मिली है। इससे दिल्ली के, गुरुग्राम के और पूरे NCR के लोगों की सुविधा बढ़ेगी। दफ्तर आना-जाना, फैक्ट्री आना-जाना और आसान होगा, सभी का समय बचेगा। हमारे व्यापारी, कारोबारी और किसानों को विशेष लाभ होने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का भारत क्या सोच रहा है, उसके सपने और संकल्प क्या हैं? ये सबकुछ आज पूरी दुनिया अनुभव कर रही है। दुनिया, जब भारत को देखती है, परखती है, तो उसकी पहली नजर हमारी राजधानी दिल्ली पर पड़ती है। दिल्ली को हमें विकास का ऐसा मॉडल बनाना है, जहां सभी को महसूस हो कि हां, ये विकसित होते भारत की राजधानी है। दिल्ली को बेहतरीन शहर बनाने का जो बीड़ा हमने उठाया है, वो निरंतर जारी है। आज भी हम सभी इसके साक्षी बने हैं। द्वारका एक्सप्रेस वे हो या फिर अर्बन एक्सटेंशन रोड, ये दोनों सड़कें शानदार बनी हैं। पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के बाद अब अर्बन एक्सटेंशन रोड से दिल्ली को बहुत मदद मिलने वाली है। उन्होंने कहा, 'अर्बन एक्सटेंशन रोड की एक और विशेषता है। ये दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने में मदद कर रही है। अर्बन एक्सटेंशन रोड को बनाने में लाखों टन कचरा काम में लाया गया है, यानी कूड़े के पहाड़ को कम करके उनकेअपशिष्ट पदार्थ का इस्तेमाल सड़क बनाने में किया गया है।'

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में दिल्ली की भाजपा सरकार यमुना जी की सफाई में भी लगातार जुटी हुई है। मुझे बताया गया है कि यमुना से इतने समय में 16 लाख मीट्रिक टन शिल्ट हटाई जा चुकी है। इतना ही नहीं, बहुत कम समय में ही दिल्ली में 650 DEVI इलेक्ट्रिक बसें शुरू की गई हैं। भविष्य में ये इलेक्ट्रिक बसें करीब 2 हजार का आंकड़ा पार कर जाएंगी। ये हरित दिल्ली - स्वच्छ दिल्ली के मंत्र को और मजबूत करता है।

उन्होंने कहा, 'हम देखते हैं कि पिछली सरकारों ने दिल्ली को किस तरह बर्बाद किया, दिल्ली को एक तरह से गड्ढे में गिरा दिया था। मैं जानता हूं कि भाजपा की नई सरकार के लिए लंबे अरसे से बढ़ रही मुसीबतों से दिल्ली को बाहर निकालना कितना कठिन है। मुझे भरोसा है कि दिल्ली में जिस टीम को आपने चुना है, वो मेहनत करके पिछले कई दशकों की समस्याओं से दिल्ली को बाहर निकाल कर रहेंगे।'

पीएम मोदी ने कहा कि ये संयोग भी पहली बार बना है कि दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में चारो तरफ भाजपा सरकार है। ये दिखाता है कि इस पूरे क्षेत्र का कितना आशीर्वाद भाजपा पर और हम सभी पर है। इसलिए हम अपना दायित्व समझकर दिल्ली-NCR के विकास में जुटे हैं। हालांकि, कुछ राजनीतिक दल हैं, जो जनता के इस आशीर्वाद को अभी भी पचा नहीं पा रहे हैं। वो जनता के विश्वास और जमीनी सच्चाई दोनों से बहुत कट चुके हैं।

उन्होंने कहा, दिल्ली में हमारे जो स्वच्छता मित्र हैं, वो सभी बहुत बड़ा दायित्व निभाते हैं, लेकिन पहले की सरकारों ने इन्हें भी जैसे अपना गुलाम समझ रखा था। ये जो लोग सर पर संविधान रखकर नाचते हैं, ये संविधान को कैसे कुचलते थे, ये बाबा साहेब की भावनाओं को कैसे दगा देते थे, आज मैं वो सच्चाई आपको बताने जा रहा हूं।'

जम्मू-कश्मीर में फिर कुदरत का कहर, कठुआ में बादल फटने से 7 की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड के बाद, अब कठुआ जिले में भी कुदरत का कहर देखने को मिला है। एक सुदूर गांव में बादल फटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को हुई। इससे पहले, किश्तवाड में भी इसी तरह की घटना में 60 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार, बादल फटने से गांव के कई घर मलबे और बाढ के पानी में दब गए। इस त्रासदी के कारण गांव तक पहुंचने वाले रास्ते भी बंद हो गए हैं, जिससे बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि, पुलिस और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और बचाव अभियान जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी इस घटना से नुकसान पहुंचा है। कठुआ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले बागड, चांगडा और दिलवान-हुतली गांवों में भी भूस्खलन हुआ है, लेकिन वहां किसी बडे नुकसान की खबर नहीं है। भारी बारिश के कारण इस क्षेत्र के ज्यादातर जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ रहा है। उझ नदी भी खतरे के निशान के करीब बह रही है। जिला प्रशासन ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए जलाशयों से दूर रहने की अपील की है।

नेताओं ने जताया दुख

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा पर भाजपा का तंज, कहा- यह झूठ की बुनियाद पर कहानी गढ़ने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के सासाराम से शुरू हुई राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा पर भाजपा ने तंज कसा है। भाजपा नेता सीआर केसवन ने इसे संविधान बदनाम यात्रा करार दिया। वहीं भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी झूठ की नींव कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा बिहार भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने यात्रा को पंक्चर टायर कहा। राहुल गांधी और कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा बिहार में 16 दिनों तक चलेगी और करीब 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। भाजपा नेता सीआर केसवन ने राहुल गांधी पर अलोकतांत्रिक और छलपूर्ण तरीके से भय फैलाने की रणनीति के तहत संविधान खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

जहां नए वोटर, वहां BJP का गठबंधन जीता...

सासाराम में बोले राहुल गांधी- महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने जादू से 1 करोड़ नए वोटर पैदा किए

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज से बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। मतदाता सूची की गड़बड़ियों को लेकर महागठबंधन बिहार के सासाराम से इस यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। ये यात्रा करीब 16 दिनों तक चलने वाली है जिसमें प्रदेश के 25 जिलों को कवर किया जाएगा। इस यात्रा में राहुल के साथ तेजस्वी यादव और लेफ्ट पार्टियों के नेता भी शामिल हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव भी आज सासाराम पहुंचे। इस यात्रा की शुरुआत से पहले राहुल गांधी ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी-आरएसएस पूरे देश में संविधान को मिटाने की कोशिश कर रही हैं। जहां देखो चुनाव होता है। ये जीतते हैं। हमने थोड़ी सी जांच की तो पता चला कि ईसी ने जादू से महाराष्ट्र में जादू से 1 करोड़ वोटर पैदा कर दिए। जहां भी नए वोटर आए वहां बीजेपी का गठबंधन जीता है। बीजेपी को सारे नए वोटरों के वोट मिले- हमने शिकायत की है। कनार्टक में हमने जांच शुरु की सारे रिकॉर्ड की तुलना की है।

बिहार में वोट चोरी की तैयारी- राहुल

राहुल ने कहा ईसी ने मुझसे एफिडेविट मांगा है। बीजेपी से नहीं मांगते- कहते हैं कि जो डाटा रखा उसका एफिडेविट दो। हमने सीसीटीवी – वीडियोग्राफी मांगी तो मना कर दिया। लोकसभा – विधानसभा के वोट चोरी किए जा रहे हैं। ये वोटरों को काट कर बिहार में वोट चोरी- चुनाव चोरी करने की तैयारी कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि हम इन्हें ऐसा नहीं करने देंगे। बिहार की जनता भी ऐसा नहीं करने देगी। जो ईसी कर रहा है वो पूरे देश को पता है। हमने सबको दिखा दिया कि ईसी चोरी कैसे कर रहा है। हम इनकी चोरी पकड़ कर जनता को दिखाने जा रहे हैं। पीएम मोदी जातीय जनगणना सही तरीके से नहीं करने वाले हैं। सर की जो सच्चाई है। पूरे देश को दिखाने जा रहे हैं।

वोट हो रहा चोरी- राहुल

राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी और NDA अरबपतियों के साथ सरकार चलाते हैं। आप वोट डालते हैं, आपका वोट चोरी किया जाता है और आपका सारा पैसा 5-6 अरबपतियों को दे दिया जाता है। उन्होंने कहा कि BJP और चुनाव आयोग पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव चोरी कर रहे हैं। अब ये SIR से बिहार का चुनाव चोरी करना चाहते हैं। BJP और चुनाव आयोग जान ले- हम बिहार का चुनाव चोरी नहीं करने देंगे।

हम आरक्षण में 50% की दीवार तोड़ेंगे- राहुल

राहुल ने कहा कि हमने संसद में कहा- हमें देश में जातिगत जनगणना करवानी है, साथ ही आरक्षण में 50% की दीवार को तोड़ना है। BJP और नरेंद्र मोदी ने दबाव में आकर कह दिया कि वे जातिगत जनगणना करवाएंगे, लेकिन मैं जानता हूं कि वो सही जातिगत जनगणना नहीं करेंगे। कांग्रेस पार्टी और INDIA गठबंधन जातिगत जनगणना करवाएगी और आरक्षण में 50% की दीवार तोड़ेगी।

राहुल भाई मोदी की नाम में किए दम : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने राहुल की तारीफ करते हुए कहा कि राहुल ने कहा कि ये संविधान को बचाने की लड़ाई है। पीएम मोदी और उनकी सरकार की नाक में दम करने वाले लोकसभा में नेता विपक्ष और मेरे बड़े भाई राहुल गांधी हैं। बेईमानों को गद्दी से उतार कर दम लेना है। नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं। उन्होंने कहा कि मोदी-नीतीश ने बिहार को ठगने का काम किया है। दोनों ने बिहार को ठगा है। खटारा सरकार को बदलने का काम करना है। हर जगह अपराधी सरकार चला रहे हैं। इस सरकार से बदला लेना है। हमारी नीतियों की नीतीश नकल कर रहे हैं। वोटों की डकैती करने वालों को सबक सिखाना होगा। वोट की चोरी नहीं डकैती हो रही है। मोदी, शाह , चुनाव आयोग सुन लें बिहार लोकतंत्र की जननी है। यहां राहुल तेजस्वी महागठबंधन लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देंगे। मोदी जी शाह बिहार को चूना लगाना चाहते हैं, ये बिहार है यहां खैनी के साथ चूना रगड़ते हैं और चबा जाते हैं। बिहारी लाल मिर्च का इस्तेमाल भी जानते हैं। बिहार सरकार नकलची सरकार, जो मैंने घोषणाएं की उन्हीं में से कुछ को लागू करने की बात कर रही है।

ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन के बाद अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भारत लौटे, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन पूरा कर और अंतरिक्ष में 21 दिन बिताने के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला रविवार को भारत लौट आए हैं। एक महीने पहले उन्होंने इस ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा को अंजाम दिया था। शुभांशु शुक्ला का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने उनका स्वागत किया।

हवाई अड्डे पर शुभांशु शुक्ला के आगमन से पहले ही उनके स्वागत के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। लोग भारतीय राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए अपने नायक का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। शुक्ला के बाहर आते ही लोगों ने तालियों और नारों से उनका अभिनंदन किया।

शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने कई वैज्ञानिक प्रयोगों और शोध कार्यों में हिस्सा लिया। उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भविष्य के मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए नई राह खोलेगा। शुक्ला की वापसी पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ट्वीट कर खुशी जताई और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला ने देश को गौरवान्वित किया है और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी शुभांशु को बधाई दी और भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में उनके योगदान की उम्मीद जताई।

मैगलगंज पुलिस द्वारा जुआ खेलते तीन अभियुक्त किये गए गिरफ्तार

'एक अभियुक्त मौके से भाग निकला'

आर्यावर्त संवाददाता

मैगलगंज-खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अपराध कि रोकथाम एवं वांछित वारंटी अपराधियों कि धरपकड़ अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मितौली के कुशल निर्देशन मे व प्रभारी निरीक्षक मैगलगंज रविन्द्र पांडेय के मार्गदर्शन मे शनिवार को मैगलगंज पुलिस टीम द्वारा तीन नफर अभियुक्त गिरफ्तार किये गए। जिनके कब्जे से 52 तास के पत्ते व मौके पर फड़ से 500 रूपए व जामा तलाशी से 450 रूपए बरामद हुए तथा एक नफर अभियुक्त मौके से भाग गया उक्त के सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 292/2025 धारा 13 सार्वजानिक जुआ अधिनियम पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही कि जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों मे रामनरेश पुत्र रामभरोसे (55) वर्षीय निवासी रहजनिया, रामरतन पुत्र जगदीश (25) रहजनिया, देवेश पुत्र लालाराम (27)निवासी चपरतला आदि अभियुक्तों को गिरफ्तार किये गए चार अभियुक्तों पर अभियोग पंजीकृत हुआ जिनमे से एक अभियुक्त विशाल पुत्र नरेश (28) आलियापुर निवासी फरार है।

गिरफ्तार करने बाली टीम मे उपनिरीक्षक राजपाल सिंह,हेड कांस्टेबल अरुण कुमार,कांस्टेबल राहुल कुमार,कांस्टेबल विपिन कुमार आदि मौजूद रहे।

हरित और सुरक्षित भारत के निर्माण में निभाएं सक्रिय भागीदारी : शशांक

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। जिले भर में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन हुए। डीएम शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण समारोह में मुख्य विकास अधिकारी अ. सुदन, अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार सिंह सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। ध्वज वंदन के उपरांत सभी उपस्थित जनों ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के पश्चात जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं एक पौधा लगाया और उसकी जड़ों में जल अर्पित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने अपने संबोधन में

कहा कि स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि हर पीढ़ी की यह जिम्मेदारी है कि वह हरित और सुरक्षित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए। इस अवसर पर अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी पौधारोपण किया, जिससे यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न रहकर सामूहिक संकल्प और सामाजिक चेतना का प्रतीक बन गया। वहीं जिला न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव ने न्यायालय परिसर में ध्वजारोहण किया। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार वर्मा ने अधिवक्ता भवन में तिरंगा फहराया। केडी सिह बाबू स्टेडियम की ओर से क्रॉस कंट्री रेस आयोजित हुई। कुरौली स्थित रानी लक्ष्मी बाई इंटर कॉलेज के प्रबंधक अशोक कुमार शुक्ला ने झंडारोहण कर सरस्वती मां की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई के सिविल लाइन आवास पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव फवाद किदवई ने झण्डारोहण किया। सागर नर्चर इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का पर्व मनाया गया। जमील उर रहमान किदवई इस्लामियां बालिका इंटर कॉलेज में संस्था प्रबंधक तरब किदवई ने ध्वजारोहण किया। पायनियर मांटेसरी इंटर कॉलेज लखपेड़ाबाग में पर्व मनाया गया। यहां प्रधानाचार्य रेखा मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। बाला जी का बचपन में अंकुर माथुर में ध्वजारोहण किया। रामसेवक यादव परास्नातक महाविद्यालय चंदौली में अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ने ध्वजारोहण किया। आदर्श नगर पंचायत दरियाबाद के जमा स्टेडियम में समाजसेवी अशीर किदवई ने ध्वजारोहण किया।

मानसिक और शारीरिक निर्भीकता ही असली स्वतंत्रता: संतोष पाण्डेय

सुलतानपुर। दरियापुर दल व अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के तत्वाधान में आयोजित हुई प्रतियोगिता

सुलतानपुर। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दरियापुर दल न्यास और अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में चित्रकला व दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार व शिक्षक संतोष पाण्डेय ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी और उन्हें आजादी का वास्तविक मतलब समझाते हुए कहा कि देश में स्वतंत्र रहने का अर्थ है कि सभी मानसिक और शारीरिक रूप से निर्भीक रहे। विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष ओम वर्मा, जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, महासचिव प्रभात सिंह ने सभी बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया और देश में सबकी सहभागिता और जिम्मेदारी को व्याख्यित किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भजन–कीर्तन व जन्मोत्सव का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। योगिराज भक्त प्रेमी श्रीकृष्ण के पावन प्राकट्य महोत्सव पर थाना धनपतगंज व थाना बल्दीराय परिसर में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारियों के नेतृत्व में देर रात तक भजन-कीर्तन गूंजते रहे।

धनपतगंज व बल्दीराय थाना परिसर में जन्मोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। जहाँ उपस्थित भक्तों ने "हरे कृष्ण, हरे राम" एवम अनेक भक्तिमय भजन की झंकार के संकीर्तन से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में थानों का समस्त स्टाफ, क्षेत्रीय पत्रकार गण व स्थानीय श्रद्धालु भारी संख्या में मौजूद रहे। जन्मोत्सव के दौरान दोनों थाना परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की झांकी सजाई गई और भक्तों ने प्रसाद भोज ग्रहण किया।

धनपतगंज माडल थाना परिसर प्रकाश की आधुनिक रंग बिरंगी झालरों

से जगमगा रहा था। बृंदाबन बिहारी जी, मंदिर झांकी में अलौकिक छटा के साथ बिराजमान थे। छटा देखते ही बनती थी। थाना प्रभारी प्रवीण यादव ने पूजन अर्चन के बाद आये श्रद्धालुओं को प्रसाद भोज ग्रहण करने के बाद सबका आभार व्यक्त किया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर ,आयोजन का उद्देश्य, समाज में भक्ति, प्रेम और सद्भावना का संदेश देना बताया गया।

स्व. चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भईया' मरणोपरांत महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित

सुलतानपुर। लोकाधिकार सेवा समिति के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एव श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट विक्रोली के पूर्व अध्यक्ष/विख्यात लोकप्रिय, जनप्रिय समाजसेवी स्व.श्री चंद्रशेखर शुक्ल को मरणोंपरांत विधायक राम कदम के द्वारा घाटकोपर में भारत की सबसे बड़ी दही हंडी में महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार, विधायक प्रवीण दरेकर मौजूद रहे। यह महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार स्व.श्री शुक्ल के बड़े सुपुत्र श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को देकर सम्मानित किया गया। दही हंडी में नगरसेवक सूर्यकांत गवली, निल किरीट सोमैया, चंद्रकांत मालकर, अशोक दुबे, अरुण एखंडे, अनिल निर्मले, रामतीरथ शर्मा सहित के पत्रकार बंधु, जनप्रतिनिधि तथा तमाम गोविंदा पथक मौजूद रहे।

मिट्टी लदी ट्रैक्टर–ट्राली और कार में टक्कर, चौकी इंचार्ज सहित चार दारोगा घायल

आर्यावर्त संवाददाता

(फुलमनहा)। बृजमनगंज कस्बा के रेलवे स्टेशन चौराहा पर शनिवार रात 11 बजे के करीब मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्राली और कार में टक्कर हो गई। घटना में कार सवार धानी चौकी इंचार्ज आलोक राय सहित चार दारोगा घायल हो गए।

बृजमनगंज थाना में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धानी चौकी इंचार्ज आलोक राय, उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह, अरविंद यादव व बृजमनगंज थाने पर तैनात उपनिरीक्षक गजेंद्र प्रताप सिंह कार से जा रहे थे।

इसी दौरान रेलवे स्टेशन चौराहा पर सामने से तेज रफ्तार से आ रही मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्राली से टक्कर हो गई। टक्कर इतना तेज हुआ कि ट्रैक्टर का पिछला पहिया फट गया, साथ ही कार भी एक साइड से क्षतिग्रस्त हो गया। कार का एयरबैग

खुलने की वजह से कार सवार सभी उपनिरीक्षक को हल्की चोट आई है, जबकि ट्रैक्टर चालक फरार हो गया।

आस-पास के लोगों की मदद से मौके पर पहुंची पुलिस चारों उपनिरीक्षक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बृजमनगंज ले गई। जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को वापस भेज दिया। पुलिस ने बुलडोजर बुला कर कार व ट्रैक्टर-ट्राली को मार्ग से हटा कर रास्ता बहाल करवाया। थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

मंगला आरती में पुलिस का हुजूम..महिला की बिगड़ी तबीयत, भीड़ में फंसीं एडीजी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में बांकेबिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के पर्व पर वर्ष में एक बार होने वाली मंगला आरती में इस बार कुछ अलग ही दृश्य देखने को मिला। आरती में केवल 600 लोगों को ही अनुमति दी गई थी। आम श्रद्धालुओं को आरती में प्रवेश नहीं दिया गया था। केवल पास धारक ही पहुंचे, लेकिन पुलिसकर्मियों की इस दौरान भीड़ रही। सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि मंदिर में पुलिसकर्मियों की भीड़ रही। भीड़ में एडीजी आगरा जोन और उनके साथ आए लोग बमुश्किल निकल पाए। यहां तक भीड़ में फंसकर एक महिला श्रद्धालु की तबीयत अचानक बिगड़ गई। आसपास मौजूद अन्य महिलाओं ने किसी प्रकार उन्हें संभाला। आरती के समय इस बार भी ऐसे हालात हो गए थे कि एडीजी आगरा जोन अनुपमा कुलश्रेष्ठ भी भीड़ में फंस गईं तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें निकाला। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में इस घटना को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि मंगला आरती एक धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से भक्त वृंदावन आते हैं। ऐसे में सुरक्षा के नाम पर आम श्रद्धालुओं को रोक दिया गया और पुलिस की भीड़ आरती में रही। यह ठीक नहीं है। सरकार तो वीआईपी कल्चर खत्म कर रही है, लेकिन मंदिरों में नहीं हो रहा।

'अभी पार्टी चल रही है...', पत्नी ने कॉल की तो हिस्ट्रीशीटर पति ने कही ये बात; रात में दोस्तों ने मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। यूपी के मेरठ गंगानगर के मीनाक्षीपुरम निवासी हिस्ट्रीशीटर ई-रिक्शा चालक अंकित उर्फ आदि गुर्जर (27) को बृहस्पतिवार की रात जन्मदिन पार्टी में पीट-पीटकर मार डाला। मृतक के भाई अंकुर ने शिवम पंडित निवासी परतापुर, रोहन जाट निवासी रजपुरा, सूरज निवासी परतापुर को नामजद और पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मवाना के सीओ संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि मवाना खुर्द पुलिस चौकी चौकी से कुछ दूर हाईवे के किनारे शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे युवक का शव पड़ा मिला। गंगानगर के मीनाक्षीपुरम गली नंबर-4 निवासी पिता कमल सिंह, भाई अंकुर आदि परिजनों ने शव की पहचान अंकित उर्फ आदि गुर्जर के रूप में की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे घर से ई-रिक्शा लेकर

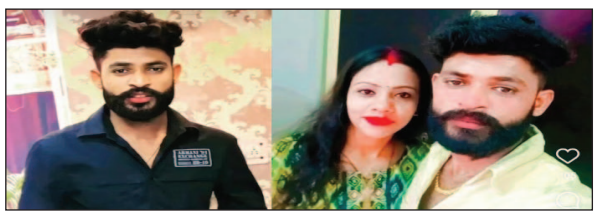

निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

पत्नी ने कॉल की तो हिस्ट्रीशीटर अंकित ने कही थी ये बात

हिस्ट्रीशीटर अंकित हत्याकांड मामले में बृहस्पतिवार रात आठ बजे पत्नी दिव्या ने फोन किया तो अंकित ने बताया कि रजपुरा में रोहन जाट की जन्मदिन पार्टी चल रही है, एक घंटे बाद आ जाएगा। पत्नी ने 10 बजे फिर फोन किया तो उसने फिर से कुछ देर में आने की बात कही थी। रात 12.30 बजे मोबाइल बंद हो गया।

दोस्त शिवम पंडित को फोन किया तो उसका नंबर भी नहीं लगा। परिजनों ने काफी तलाश किया, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। शुक्रवार सुबह 10 बजे दोस्त शिवम ने अंकित के परिजनों को फोन कर बताया कि रात में कुछ लड़कों ने अंकित और उसे गाड़ी में जबरन अगवा कर लिया था।

उसे ट्रांसलेम कॉलेज के पास फेंककर आरोपी अंकित को ले गए थे। भाई अंकुर ने शिवम पंडित निवासी परतापुर, रोहन जाट निवासी रजपुरा, सूरज निवासी परतापुर व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सीओ मवाना संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि अंकित की हत्या किसी डंडे से पीटकर की गई है। दोनों पक्षों के बीच पहले कोई विवाद था। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दो टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाई गई हैं।

8 साल पहले शादी, 9 अगस्त को ही मनाया था बेटी का बर्थडे

परिजनों ने बताया कि घर में पिता कमल, मां पुष्पा, पत्नी दिव्या और सात साल की बेटी खुशी, छोटा भाई अंकुर और उसकी पत्नी और दो शादीशुदा बहने हैं। छोटा भाई किसी की कार चलाता है। पिता भी ई-रिक्शा चलाते हैं। बीते 9 अगस्त को ही अंकित ने बेटी खुशी का घर में जन्मदिन धूमधाम से मनाया था।

आरोपियों ने मोबाइल किए बंद, शर्ट बदली

परिजनों के अनुसार, रोहन जाट, शिवम पंडित उसके दोस्त थे। रात में भी अंकित उन्हीं के साथ था। रोहन जाट रजपुरा का है। शिवम इंचौली के सैनी गांव का है और परतापुर में किराए पर रहता है। घटना के बाद से वह कमरा खाली करके लापता है। वहीं रोहन जाट भी नहीं हाथ आया है। परिजनों ने बताया कि अंकित जब घर से निकला था तो उसने सफेट शर्ट पहनी थी। जब शव मिला तो ब्लू रंग की शर्ट में था।

अंकित के खिलाफ गंगानगर थाने में दर्ज हैं 10 केस

सीओ संजय कुमार के मुताबिक अंकित पर गंगानगर, दौराला, मेडिकल और कंकरखेडा थाने में 10 मुकदमें लूट और चोरी के दर्ज हैं। वह गंगानगर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। 10 साल पहले मिल में काम करता था।

महिला को आया हार्ट अटैक, 20 मिनट तक जाम में फंसी रही कार; पति लगाता रहा गुहारमौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर शहर का ट्रैफिक जाम अब जानलेवा साबित होने लगा है। आए दिन जाम की वजह से लोग घंटों तक सड़क पर फंसे रहते हैं। हाल ही में इसी जाम की वजह से एक महिला की मौत हो गई। महिला को हार्ट अटैक आया था, लेकिन वह जाम की वजह से समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सकी। मृतक महिला का नाम बरखा गुप्ता है। वह दबौली की रहने वाली थी।

बरखा गुप्ता को अचानक हार्ट अटैक आया, जिसके बाद पति सोनू गुप्ता उन्हें तत्काल हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी) ले जाने के लिए निकले। लेकिन जैसे ही वे सीटीआई चौराहे से आगे बढ़े, फजलगंज फायर ब्रिगेड के पास मेट्रो निर्माण कार्य और खड़े ट्रकों की वजह से भयंकर जाम में फंस गए। लगभग 20 मिनट तक

उनकी कार जाम में ही खड़ी रही। इस दौरान बरखा गुप्ता दर्द से कराहती रहीं और सोनू राहगीरों से रास्ता देने की गुहार लगाते रहे, लेकिन हालात जस के तस बने रहे।

जाम न होता तो बच जाती जान

आखिरकार मजबूरी में सोनू ने वैकल्पिक नाले वाला रास्ता अपनाया और किसी तरह कार को फजलगंज फैक्ट्री एरिया, मरियमपुर चौराहा और कोकाकोला क्रॉसिंग होते हुए अस्पताल पहुंचाया। लेकिन तब तक करीब 45 मिनट का समय बीत चुका था। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि अगर जाम न होता तो बरखा की जान बचाई जा सकती थी।

यह पहली बार नहीं है जब जाम ने किसी की जिंदगी छीन ली हो। वर्ष 2021 में भी जाम की वजह से एक महिला वंदना मिश्रा को समय पर अस्पताल न पहुंचाया जा सका और उनकी भी मौत हो गई थी।

इस ताज़ा घटना के बाद एक बार फिर शहर की ध्वस्त ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों ने आरोप लगाया कि जाम का कारण मेट्रो निर्माण कार्य है, वहीं मेट्रो प्रशासन ने इस आरोप को नकारते हुए कहा कि जाम त्योहारों की वजह से भी हो सकता है।

ट्रैफिक विभाग का कहना है कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है और जाम की असली वजह का पता लगाया जाएगा। हालांकि, हकीकत यह है कि कानपुर में मेट्रो निर्माण, अवैध पार्किंग, सड़क पर खड़े ट्रक और अव्यवस्थित यातायात प्रबंधन शहरवासियों के लिए लगातार मुसीबत बना हुआ है।

क्या बोले अधिकारी?

घटना पर यातायात विभाग का कहना है कि मामला जानकारी में नहीं है, जाम लगने की वजह पता कराई जाएगी। वहीं मेट्रो परियोजना के जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा ने कहा कि जाम त्योहार की वजह से भी हो सकता है, निर्माण कार्य को इसका कारण मानना सही नहीं होगा।

स्वतंत्रता दिवस पर तहसील में धूमधाम से हुआ झंडारोहण

बल्दीराय/सुल्तानपुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बल्दी राय तहसील क्षेत्र में देशभक्ति का अनोखा उत्साह देखने को मिला। तहसील मुख्यालय, थाना धनपतगंज, थाना बल्दी राय तथा थाना हलियापुर सहित समूचे क्षेत्र के विद्यालयों एवं सरकारी कार्यालयों में तिरंगा फहराया गया।

तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में झंडारोहण किया। कार्यक्रम में तहसीलदार अरविंद तिवारी व नायब तहसीलदार गुलाब सिंह सहित अनेक राजस्वकर्मी उपस्थित रहे। झंडारोहण के बाद राष्ट्रगान की गूंज से वातावरण देशभक्ति में रंग गया। इसी प्रकार थाना धनपतगंज कोतवाल प्रवीण यादव , बल्दीराय में कोतवाल नारदमुनि सिंह और हलियापुर में कोतवाल तरुण पटेल ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने परेड कर अनुशासन का संदेश दिया।

एक बच्चे को बचाने के लिए बारी–बारी सेप्टिक टैंक में उतरे तीन लोगों की दर्दनाक मौत, बच्चा जीवित

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर जिले सकरन के गांव सुकेठा में सेप्टिक टैंक में गिरे बालक को बचाने में तीन लोगों की मौत हो गई। एक का इलाज जारी है। रविवार सुबह 11 बजे ग्राम सुकेठा निवासी विवेक गुप्ता उम्र 10 वर्ष गांव के ही अनिल के घर के सामने बने टैंक में गिर गया। विवेक को बचाने गए अनिल 40 वर्ष टैंक में उतर गए और बच्चे को बाहर कर दिया। इसके बाद वह खुद डूबने लगे। इस पर गांव के ही राज कुमार, 45 वर्ष बचाने का प्रयास किया तो वह भी डूबने लगे। इतने में रंगीलाल, 45 वर्ष ने बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी सफल न हुए और तीनों लोग टैंक में डूब गए। बाद में दीपू, उम्र 25 वर्ष व अन्य ग्रामीणों ने तीनों डूब रहे लोगों को बचाने का प्रयास किया। जिसमें दीपू भी घायल हुए। जिनका उपचार किया जा रहा है। अनिल, राज कुमार, रंगीलाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांडा लाया गया। जहां पर चिकित्सक सुनील यादव के द्वारा तीनों को मृतक घोषित कर दिया।

तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो दुर्घटना : तीन घायल, आरोपी अक्षय सिंह उर्फ सागर सिंह गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के दक्षिणी जोन, थाना पीजीआई की टीम ने एक गंभीर सड़क दुर्घटना में शामिल तेज़ रफ्तार और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले आरोपी अक्षय सिंह उर्फ सागर सिंह (उम्र 29 वर्ष, निवासी 50/125 जयनारायण रोड, थाना हुसैनगंज) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वाहन संख्या UP32PZ3317 स्कॉर्पियो से पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी और पुलिस टीम पर भी हाथापाई कर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन को सीज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।घटना की जानकारी अनुसार 17 अगस्त को वरदानी हनुमान मंदिर के पास आरोपी ने जान से मारने की नियत से वाहन चलाते हुए तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों में राजेश (35 वर्ष, बल्देव विहार, दुर्गा मंदिर, तेलीबाग), आनंद प्रकाश वर्मा (35 वर्ष, कुम्हार मंडी, तेलीबाग) और एक अज्ञात व्यक्ति (पुरुष, उम्र 32 वर्ष) शामिल हैं। सभी घायलों को तुरंत ट्रामा सेंटर पीजीआई में भर्ती कर इलाज जारी है।पुलिस ने बताया कि आरोपी घटना के तुरंत बाद वाहन लेकर फरार हो गया था। थाना पीजीआई की टीम ने गहन जांच और छानबीन के बाद उसे देवीखेड़ा रोड, गन्ना अनुसंधान संस्थान के पास थाना कैण्ट लखनऊ से गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस को रोकने पर हाथापाई कर सरकारी कार्य में बाधा डालने की कोशिश की।अक्षय सिंह का व्यवसाय उदयगंज में "प्रसिद्ध पूड़ी भण्डार" के नाम से पूड़ी-सब्जी की दुकान चलाना है। इसके अलावा उसके खिलाफ लखनऊ, बाराबंकी और रायबरेली में चोरी, लूट, डकैती, अपहरण और आर्म्स एक्ट के तहत कुल आठ आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।गिरफ्तारी में थाना पीजीआई की पुलिस टीम के प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंह, उप-निरीक्षक दिनकर वर्मा, उप-निरीक्षक रवि यादव और कांस्टेबल पवन कुमार व कांस्टेबल कमलेश कुमार शामिल थे।पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। घटना ने शहर में सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है।

जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट ने स्वतंत्रता दिवस पर मनाया भव्य उत्सव, एकता और देशभक्ति का संदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट द्वारा हज़रतगंज स्थित हनुमान मंदिर के पास भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न धर्मों के गुरुओं और समाज के गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में झंडारोहण बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मौलाना ख़ालिद रशीद फरंगी महली, महंत दिब्यागिरी, मौलाना सुफियान, विनोद पंजाबी, वी. बी. पांडे, राहुल खन्ना और डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी उपस्थित रहे।झंडारोहण के बाद 79 किलो लड्डू वितरण किया गया और आसमान में 79 तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे देश का सबसे बड़ा त्यौहार होना चाहिए और इसी भावना के साथ हम आजादी का उत्सव जोर-शोर से मनाते हैं। ट्रस्ट की महामंत्री निगहत खान ने कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध आदि सभी समुदायों के लोग एक साथ इस जश्न में शामिल होकर एकता और अखंडता का संदेश दे रहे हैं।शाम के कार्यक्रम में हज़रतगंज मल्टीलेवल पार्क के बाहर 'भारत पर्व' के रूप में आजादी का जश्न मनाया गया। देशभक्ति के संगीत भरे माहौल में नृत्य, कॉमेडी और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध जादूगर शाशा ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया और अंतरराष्ट्रीय कॉमेडियन अरशद खान ने दर्शकों को अपनी कॉमेडी से खूब हंसाया। देशभक्ति के गीतों को सत्येंद्र आर्य, खातिब खान, पुष्पेंद्र सक्सेना, सलीम खान और मुस्कान खत्री ने उत्साहपूर्वक प्रस्तुत किया। इसके अलावा अलंकृत रावत, तृषा शुक्ला, सिया मिश्रा, चित्रांश और आद्रिका ने देशभक्ति के गीतों पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किए। गुरुत्वक्ष म्यूजिक स्टूडियो द्वारा संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत ट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा, महामंत्री निगहत खान, चेयरपर्सन रजिया नवाज, कोषाध्यक्ष वामिक खान और मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद ने किया। अतिथियों का तिरंगा पट्टी पहनाकर स्वागत मुर्तुजा अली, वेदव्रत बाजपेई और कुदरत उल्ला खान ने किया।कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले कई व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस को बड़े धूमधाम से मनाना चाहिए और हर व्यक्ति अपने घर पर तिरंगा फहराकर इस पर्व का जश्न मनाए। डॉ. दिनेश शर्मा ने ट्रस्ट के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन देश में एकता और अखंडता का संदेश देते हैं।कवि वेदव्रत बाजपेई ने अपनी देशभक्ति की कविता से लोगों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल वहीद, वामिक खान और अरशद खान ने किया। इस अवसर पर सुशील दूबे, संजय सिंह, सलाहुद्दीन शीबु एडवोकेट, महेश दीक्षित, योग गुरु के डी मिश्रा, शालू सिंह, नजम अहसन, परवेज़ अख्तर, मो. अतहर रज़ा, जमील मालिक, आफाक मंसूरी, अहसन, शहाबुद्दीन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट अकेडमी का भी सराहनीय योगदान रहा।

गोरखपुर में प्राचीन मंदिरों के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 45 करोड़ रुपए की स्वीकृति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्राचीन मंदिरों के आसपास पर्यटक सुविधाओं के विकास और सौंदर्यीकरण के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्राचीन मंदिरों के विकास, सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के लिए 45 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य मंदिरों की भव्यता को पुनर्स्थापित कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि धार्मिक पर्यटन में उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी है। प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे तीर्थ स्थल विशेष रूप से श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र हैं। वहीं, गोरखपुर भी ऐसे ही प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरा है, जहाँ मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों की वृहद श्रृंखला मौजूद है।गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर, श्री दिगंबर जैन मंदिर, जटाशंकर गुरुद्वारा, रामकृष्ण देव मंदिर, प्राचीन कालिका स्थान, चित्रगुप्त मंदिर, संत कबीर आश्रम और श्री रामजानकी मंदिर सहित अनेक प्राचीन धार्मिक स्थल हैं। जिले में भगवान शिव और माता मंदिरों की श्रृंखला भी मौजूद है, जहाँ देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।पर्यटन विकास से न केवल स्थानीय लोगों की धार्मिक आस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि इस क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी। पर्यटन विभाग के प्रयासों से रोजगार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर, रामगढ़ ताल, गीता वटिका और गीता प्रेस जैसे स्थान भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा जिले में कई पार्क और संग्रहालय भी हैं।पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में 36,52,451 पर्यटक गोरखपुर घूमने आए थे। वर्ष 2025 के पहले तीन महीनों में जनवरी से मार्च तक 15,46,765 पर्यटक आए। विभाग को उम्मीद है कि वर्षांत तक गोरखपुर में पर्यटकों की संख्या 50 से 55 लाख के बीच रह सकती है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभाग होमस्टे सुविधाओं को भी प्रोत्साहित कर रहा है, जिससे पर्यटकों को अधिक आवास विकल्प मिलेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की योजना को मूर्त रूप दे रहा है। इन परियोजनाओं के माध्यम से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों का पर्यटन विकास और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इस पहल से आधुनिक आधारभूत ढांचे का निर्माण होगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। इन प्रयासों का उद्देश्य धार्मिक विरासत को आधुनिक रूप देकर पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय संस्कृति को संजोए रखना है।

गमछे के सहारे पेड़ से लटक कर दी जान

लखनऊ। गोसाईंगंज के जलालाबाद गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने शुक्रवार की रात गांव के बाहर पेड़ से लटक कर जान दे दी। सूचना पाकर शनिवार की सुबह मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रिजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गोसाईंगंज के जलालाबाद गांव में रहने वाले पारस रावत (30) देर रात घर से आचानक निकला था। सुबह करीब छह बजे गांव के बाहर चिलवल के पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतार कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। भाई अभिषेक ने बताया कि वह मृतक लिफ्ट
लगाने का काम करता था।

स्वतंत्रता दिवस पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मुज़फ़्फरनगर में दो भव्य कार्यक्रमों में किया भाग

» आज़ादी के जश्न में शामिल होकर देशभक्ति की भावना को नई ऊँचाई दी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी विधानसभा मुज़फ़्फरनगर में दो भव्य कार्यक्रमों में भाग लेकर जनपदवासियों के साथ आज़ादी के जश्न में शामिल होकर देशभक्ति की भावना को नई ऊँचाई दी।

सबसे पहले मंत्री कपिल देव अग्रवाल प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने परिसर में गरिमापूर्ण ध्वजारोहण किया, माँ भारती को वंदन अर्पित किया और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, दिवंगत पूर्व सैनिकों के परिजनों एवं जनपद की विभिन्न सेवा संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज की स्वतंत्रता असंख्य वीरों के अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए जीवन में इस प्रेरणा को अपनाने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। इसके बाद मंत्री कपिल देव अग्रवाल मेरठ रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस महोत्सव में पहुँचे। यहाँ उन्होंने उत्साह और गर्व के साथ तिरंगा फहराया और पूरे जोश से राष्ट्रगान गाया। संस्थान परिसर तिरंगे रंगों की सजावट से देशभक्ति के माहौल में डूबा हुआ था और उपस्थित जनसमूह 'जय हिंद' व 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा। मंत्री ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और संकल्प व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए सभी मिलकर निरंतर प्रयास करेंगे।

कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि देशभक्ति, एकता और विकास की ज्योति को हर हृदय में प्रज्वलित करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी निष्ठापूर्वक पालन करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।दोनों कार्यक्रमों में जिले के प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, छात्र-छात्राएँ और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रमों का समापन 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' के नारों के बीच देशभक्ति की भावनाओं के चरम पर हुआ।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रशिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के "हर घर तिरंगा महाअभियान" के तहत कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ और दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 अगस्त तक तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के कार्यालय में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षकों को विभिन्न कौशल, योजनाओं और संप्रेषण क्षमता के क्षेत्र में समग्र ज्ञान प्रदान करना था, ताकि वे अपने-अपने केंद्रों पर प्रशिक्षार्थियों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान कर सकें। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों को वित्तीय साक्षरता, रोजगार योग्य कौशल, राजकीय कल्याणकारी योजनाओं, संप्रेषण कौशल, महिला नेतृत्व, योग, स्वयं सहायता समूहों का गठन, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, सिद्ध पोर्टल सहित अनेक विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक प्रमोद कुमार ने श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं जैसे श्रम योगी मानधन योजना, ई-श्रम कार्ड, राष्ट्रीय करियर सेवा योजना और उद्यम कार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न केंद्रों के 25 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार से भी जोड़ना है। कॉरपोरेट स्किल ट्रेनर एवं मोटिवेटर प्रभात कुमार सिंह ने संप्रेषण कौशल के महत्व पर प्रेरक संवाद प्रस्तुत किए, जबकि व्यापार प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. सुनित कुमार सोनकर ने वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं, उद्यमिता विकास और ऋण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।सहज योग के स्वयंसेवी व राजकीय सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. एस. सी. मित्तल, बृजेश कुमार श्रीवास्तव और भाषा विश्वविद्यालय की सह-आचार्य डॉ. आराधना अस्थाना ने योग प्रशिक्षण के माध्यम से स्वस्थ जीवन के लाभों पर प्रकाश डाला। पुणे की हकदर्शक कंपनी के राज्य प्रमुख वरुण सिंह ने स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान हर घर तिरंगा महाअभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया, जबकि संयोजन सहायक कार्यक्रम अधिकारी नीतू यादव और संगणक संचालक कल्पना सिंह ने इसे सफल बनाया।

बंदियों ने देश भक्ति गाना गाने के साथ किया डांस

लखनऊ। जिला जेल लखनऊ में 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर वरिष्ठ अधीक्षक आर०के० जायसवाल द्वारा कारागार के मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात महानिदेशक कारागार द्वारा जिला कारागार लखनऊ के 03 कार्मिकों को प्रशंसा चिन्ह (रजत) से सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रेणी में बन्दी जफर ने 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है' भजन, बन्दी सोनू अवस्थी ने 'हर करम अपना करेंगे' देशभक्ति गीत गाया एवं बन्दी रियाज व उनके साथियों द्वारा 'देशभक्ति गीत' पर डान्स किया गया तथा अन्य बन्दियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इसके साथ ही महिला बन्दियों एवं उनके साथ रह रहे बच्चों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें महिला बन्दियों द्वारा 'मेरा रंग दे बसन्ती चोला', 'ऐ मेरे प्यारे वतन', 'ऐ वतन मेरे वतन' इत्यादि देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गये।

स्वतंत्रता दिवस पर सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में 25 किमी लंबी भव्य बाइक रैली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरोजनी नगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में राजधानी में भव्य बाइक रैली आयोजित की गई, जो लगभग 25 किलोमीटर लंबी रही। बंथरा से शुरू हुई इस रैली में हज़ारों युवाओं ने भारी बारिश के बावजूद तिरंगा लहराते हुए देशभक्ति का अद्भुत उत्साह दिखाया। डॉ. सिंह स्वयं बुलेट बाइक पर सवार होकर युवाओं को मार्गदर्शन और प्रेरणा देते रहे। रैली ट्रांसपोर्ट नगर, तेलीबाग, बंगला बाजार होते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर ऑडिटोरियम, कानपुर रोड और एलडीए कॉलोनी तक पहुँची।रैली के दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के नए विचार भारत को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश और देश में युवाओं को हर स्तर पर सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. सिंह ने यह भी याद दिलाया कि भारत ने पिछले हजार वर्षों में कई आक्रमण सहन किए, लेकिन आज देश आत्मविश्वास और शक्ति के साथ आगे बढ़ रहा है।डॉ. सिंह ने युवाओं से राष्ट्र के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया और पड़ोसी देशों में पनप रही भारत-विरोधी, संस्कृति-विरोधी तथा महिला-विरोधी विचारधाराओं के खिलाफ सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया के माध्यम से भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बन गया है और इसका लक्ष्य देश को वैश्विक शक्ति बनाना है।रैली में डॉ. सिंह ने तिरंगे को भारत के गौरवशाली अतीत, वर्तमान की प्रतिबद्धता और भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतीक बताते हुए कहा कि आवश्यक हुआ तो तिरंगे की आन-बान-शान के लिए प्राण भी न्यौछावर किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्त्रियों, माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करें और सदैव राष्ट्र के लिए तत्पर रहें।भारी बारिश के बावजूद यह रैली भारत के गौरव, एकता और युवाशक्ति का भव्य उत्सव बनी। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, पूर्व सांसद रीना चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष विजय मौर्य, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। डॉ. राजेश्वर सिंह की इस पहल ने राजधानी में स्वतंत्रता दिवस समारोह को और भी जीवंत और यादगार बना दिया।

दहेज हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने घटनास्थल से संकलित किए साक्ष्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के पूर्वी जोन, थाना चिनहट की टीम ने दहेज हत्या की गंभीर घटना में संलिप्त तीन आरोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों में अजय कुमार रावत (27 वर्ष), अशोक कुमार (70 वर्ष) और राज कुमारी (60 वर्ष) शामिल हैं। उनके खिलाफ थाना चिनहट में मुकदमा संख्या 425/25 धारा 80(2)/85 बीएनएस के तहत दहेज हत्या और डीपी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।मामले का खुलासा वादी अमरनाथ पुत्र स्व0 शिवपाल, निवासी फलंगा पोस्ट भगौली तीर्थ, थाना फतेहपुर बाराबंकी ने किया। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री रूबी देवी (24 वर्ष) की दहेज की मांग पूरी न करने पर हत्या करने की कोशिश की गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को कंचनपुर मटियारी, थाना चिनहट से गिरफ्तार किया।पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण उच्च अधिकारियों द्वारा किया गया और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्यों को संकलित किया। घटना में संलिप्त अभियुक्तों ने पुलिस टीम पर हाथापाई कर सरकारी कार्य में बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने संयम और तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया।गिरफ्तार अभियुक्तों में अजय कुमार रावत पुत्र अशोक कुमार, अशोक कुमार पुत्र स्व0 कुन्हू लाल और राज कुमारी पत्नी अशोक कुमार शामिल हैं। आरोपी अजय कुमार रावत की उम्र 27 वर्ष, अशोक कुमार की 70 वर्ष और राज कुमारी की 60 वर्ष है। आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।

मऊ में स्वतंत्रता दिवस समारोह : ए.के. शर्मा का प्रेरक संबोधन, शहीदों को नमन और विकास की नई दिशा का ऐलान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आज़ादी की 79वीं वर्षगांठ पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मऊ में आयोजित सरकारी समारोह में ध्वजारोहण करने के बाद एक भावनात्मक, प्रेरणादायी और दूरदर्शी संबोधन दिया। उनका वक्तव्य केवल औपचारिक भाषण नहीं बल्कि पूर्वांचल के युवाओं, नेताओं और जनता के लिए एक गूंजता हुआ संदेश साबित हुआ।समारोह की शुरुआत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों के सम्मान से हुई। ए.के. शर्मा ने कहा कि आज़ादी किसी एक व्यक्ति का योगदान नहीं बल्कि हजारों-लाखों वीरों की कुर्बानी का परिणाम है। उन्होंने अमर शहीदों और उनके परिजनों को नमन करते हुए कहा कि माताओं की आंखों के आंसुओं में भी तिरंगे की चमक बसती है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके बलिदान को सहेजकर आगे बढ़ें।अपने संबोधन में मंत्री ने पूर्वांचल और विशेषकर मऊ के विकास की दिशा स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बुनियादी सुविधाओं, बिजली, सड़क, स्वच्छता और रोजगार के क्षेत्र में ठोस काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मऊ को आधुनिक स्वरूप देने के लिए बिजली और नगर विकास विभाग ने पिछले तीन वर्षों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसके साथ ही मऊ-बलिया मार्ग का चौड़ीकरण और पांच रेलवे ओवरब्रिज जैसी नई परियोजनाओं को जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा।युवाओं को संबोधित करते हुए ए.के. शर्मा ने कहा कि भविष्य सिर्फ नारे और नारों की राजनीति से नहीं बल्कि मेहनत और कर्म से बनता है। उन्होंने युवा उद्यमी योजना और औद्योगिक संकुल की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नौजवानों के लिए अब अवसर खुले हैं, उन्हें समय का मूल्य समझकर आगे बढ़ना चाहिए।मंत्री ने अपने भाषण में उन नेताओं पर भी करारा प्रहार किया जिन्होंने दशकों तक राजनीति में रहते हुए भी विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने नौजवानों के हाथों में हुनर और अवसर देने की बजाय कट्टे और बंदूकें पकड़ा दीं और मऊ जैसे व्यापारिक नगर को अपराध के गर्त में धकेल दिया। शर्मा ने जोर देकर कहा कि राजनीति केवल लंबे कार्यकाल से नहीं, बल्कि परिणामों से आंकी जाती है।उन्होंने स्पष्ट किया कि मऊ अब परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है और चार वर्षों में हुए काम उसकी गवाही देते हैं। उन्होंने युवाओं और नवनेताओं को मूलभूत जिम्मेदारियों के निर्वहन का संदेश देते हुए कहा कि राजनीति केवल वर्चस्व का खेल नहीं, बल्कि जनता के विकास की साधना है।भाषण से पहले ए.के. शर्मा ने विकास योजनाओं पर लगे स्टॉलों का अवलोकन किया और आयोजकों को प्रोत्साहित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को अपने पास बिठाकर उनका उत्साहवर्धन किया और स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का पांव छूकर सम्मान किया।

असीम अरुण ने सर्वोदय विद्यालय भोजीपुरा का निरीक्षण किया, लापरवाही पर जेई को तत्काल हटाया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय (बालक), गोपालपुर, भोजीपुरा का समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने रविवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री ने विद्यालय में चल रहे भवन मरम्मत कार्य का जायजा लिया और पाया कि कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है।इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए असीम अरुण ने आउटसोर्सिंग पर कार्यरत जूनियर इंजीनियर (जेई) माज खान को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मरम्मत कार्य को तय मानकों के अनुसार समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश भी दिए।

राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वोदय विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से विद्यालय भवन को नया स्वरूप देने का कार्य किया जा रहा है। उनका उद्देश्य है कि यहां पढ़ने वाले बच्चों को फर्नीचर से लेकर भोजन तक सभी व्यवस्थाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से मिलें।उन्होंने स्पष्ट किया कि भोजीपुरा सर्वोदय विद्यालय में टाइल्स लगाने के कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधित जेई को हटा दिया गया है। असीम अरुण ने कहा कि इन संस्थानों से जुड़ा प्रत्येक कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध होना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।गौरतलब है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश भर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र-छात्राओं के लिए कक्षा 6 से 12 तक आवासीय सुविधा से युक्त 101 सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी शृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि "मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ", उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है। भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- "हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है"। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था। डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- "ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा"। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला। अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित करना पड़ा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में ही पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया था। उन्होंने कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के सामने सुझाव रखा था कि कांग्रेस का उद्देश्य भारत को पूर्ण स्वतंत्र कर भारतीय गणतंत्र की स्थापना करना और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करना होना चाहिए। बहरहाल, सम्पूर्ण स्वतंत्रता का उनका सुझाव कांग्रेस ने 9 वर्ष बाद 1929 के लाहौर अधिवेशन में स्वीकृत किया। कांग्रेस का यह निर्णय संघ के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था। इसलिए इससे आनंदित होकर सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस का अभिनंदन करने, राष्ट्रध्वज का वंदन करने और स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही यह भी कहा कि शाखाओं पर भाषण करके स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं महत्व को समझाया जाए। सरसंघचालक के निर्देशानुसार, संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को सायं 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

अतीत के आईने में भाजपा

18 जुलाई 1947 को ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया था जिसमें विभाजन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद से देश में जो महत्वपूर्ण बदलाव या फैसले लिए गए, उनमें एक है 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर मनाना। 18वीं सदी के कवि गिरिधर ने अपनी कुण्डलियों में समझाया है कि बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ। मतलब अतीत की बातों को पकड़ कर बैठने का कोई लाभ नहीं होता, उन्हें भूल कर या सबक लेकर आगे यानी वर्तमान और भविष्य की फिक्र करना चाहिए। लेकिन मोदी सरकार के पास भारत के वर्तमान के लिए सांप्रदायिक, धर्मांध एजेंडे के अलावा कोई नजरिया नहीं दिखता और भविष्य के नाम पर वे सीधे 2047 की बात करते हैं। वर्तमान और भविष्य को लेकर सरकार में स्पष्ट सोच की कमी साफ झलकती है, इसलिए वे अतीत की बात करते रहते हैं। देश की समस्याओं पर बात करनी हो तो बिजली से तेज गति में चलकर नेहरू युग में पहुंच कर वहां की कमियां दिखाने लगते हैं। इससे भी काम न बने तो मुगल काल की तकलीफें याद आती हैं और फिर भी जनता का ध्यान न भटके तो सीधे त्रेतायुग, द्वापर युग की कहानियों से लोगों को बहलाने का काम शुरु हो जाता है। ध्यान देने वाली बात ये है कि मोदी सरकार जब अतीत में लौटती भी है तो बड़ी चालाकी से अपनी सुविधा के लिए ब्रिटिश शासनकाल को दरकिनार कर देती है। जैसे स्पीड ब्रेकर से बचने के लिए कई बार गाड़ी चालक उसके किनारे से गाड़ी निकालता है, वही काम मोदी सरकार कर रही है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस इसका एक बड़ा उदाहरण है।

18 जुलाई 1947 को ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया था जिसमें विभाजन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच की सीमा रेखा ब्रिटिश वकील सर सिरिल रैडक्लिफ ने तय की थी, जिसमें हिन्दू बहुमत वाले इलाके भारत में और मुस्लिम बहुमत वाले इलाके पाकिस्तान में शामिल किए गए। अतीत की बात करने वाली मोदी सरकार को अगर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाना ही है तो उसके लिए 14 अगस्त से बेहतर 18 जुलाई की तारीख उपयुक्त होती। गौर करने वाली बात ये भी है कि मोदी सरकार विभाजन के लिए नेहरू पर तो ठीकरा फोड़ती है, लेकिन कभी भी ब्रिटिश राज को कभी दोषी नहीं ठहराती। इसी तरह द्विराष्ट्र का सिद्धांत देने वाले वी डी सावरकर का भी जिक्र इस संदर्भ में नहीं करती। अतीत प्रेमी भाजपा के लिए इतिहास के ही कुछ उदाहरण पेश किए जा सकते हैं। हिन्दू महासभा के 1937 के अहमदाबाद में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में अध्यक्ष की आसंदी से सावरकर ने कहा था कि भारत में मुख्यतः दो राष्ट्र बसे हैं : हिंदू और मुस्लिम। (समग्र सावरकर वाङ्मय, हिन्दू राष्ट्र दर्शन, खंड 6, महाराष्ट्र प्रांतिक हिन्दू सभा पूना, 1963, पृष्ठ 296)। संघ परिवार से प्रशंसित इतिहासकार आर सी मजूमदार ने भी लिखा है कि - साम्प्रदायिक आधार पर बंटवारे के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार एक बड़ा कारक हिन्दू महासभा थी, जिसका नेतृत्व महान क्रांतिकारी नेता वी डी सावरकर कर रहे थे। (स्ट्रगल फ़ॉर फ्रीडम, भारतीय विद्या भवन, 1969, पृष्ठ 611)। डा. अंबेडकर ने भी अपनी पुस्तक पाकिस्तान ऑर द पार्टीशन ऑफ इंडिया(1946) में सावरकर के द्विराष्ट्र सिद्धांत और अखंड भारत की उनकी अवधारणा के छद्म को उजागर किया है।

अंबेडकर लिखते हैं- वे चाहते हैं कि हिन्दू राष्ट्र प्रधान राष्ट्र हो और मुस्लिम राष्ट्र इसके अधीन सेवक राष्ट्र हो। यह समझ पाना कठिन है कि हिन्दू राष्ट्र और मुस्लिम राष्ट्र के बीच शत्रुता का बीज बोने के बाद सावरकर यह इच्छा क्यों कर रहे हैं कि हिंदुओं और मुसलमानों को एक संविधान के अधीन एक देश में रहना चाहिए।(पृष्ठ 133-134)। आजादी से 4 साल पहले 15 अगस्त 1943 को सावरकर ने नागपुर में कहा- मेरा श्री जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत से कोई विरोध नहीं है। हम हिन्दू अपने आप में एक राष्ट्र हैं और यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि हिन्दू और मुसलमान दो अलग अलग राष्ट्र हैं।

इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि बंटवारे की बात तो आजादी के वक्त मजबूरी में स्वीकार करनी पड़ी, लेकिन इसके लिए कांग्रेस नहीं बल्कि अंग्रेज, मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा इनकी तिकड़ी जिम्मेदार थी। भाजपा को यह भी याद रखना चाहिए कि जब 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन अपने चरम पर था तब सावरकर भारत में विभिन्न स्थानों का दौरा करके हिन्दू युवकों से सेना में प्रवेश लेने की अपील कर रहे थे। उन्होंने नारा दिया- हिंदुओं का सैन्यकरण करो और राष्ट्र का हिंदूकरण करो। ब्रिटिश कमांडर इन चीफ ने हिंदुओं को ब्रिटिश सेना में प्रवेश हेतु प्रेरित करने के लिए बैरिस्टर सावरकर का आभार व्यक्त किया था। भारत छोड़ो आंदोलन के वक्त जब विभिन्न प्रान्तों में संचालित कांग्रेस की सरकारें अपनी पार्टी के निर्देश पर त्यागपत्र दे रही थीं तब सिंध, उत्तर पश्चिम प्रांत और बंगाल में हिन्दू महासभा मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार चला रही थी।(सावरकरः मिथ्स एंड फैक्ट्स, शम्सुल इस्लाम)।

अतीत के पन्नों पर लिखी इस इबारत को भाजपा चाह कर भी मिटा नहीं सकती है, इसलिए किसी न किसी तरह इनसे बचकर स्वतंत्रता पर अपना अधिकार बताती है। हालांकि भाजपा के पास अपने पुरखों की गलतियों को सुधारने का मौका है, जिसका फायदा वह नहीं उठा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर एक्स पर लिखा- इस दिन भारत हमारे इतिहास के दुखद अध्याय' के दौरान अनगिनत लोगों द्वारा झेली गई उथल-पुथल और पीड़ा को याद करता है। मैं उस अकथनीय पीड़ा को याद कर रहा हूं जब लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। ...अकल्पनीय क्षति का सामना करने और फिर भी नए सिरे से शुरुआत करने की ताकत पाने की उनकी क्षमता का सम्मान हर किसी को करना चाहिए। अगर श्री मोदी वाकई अपनी कही बातों पर यकीन करते हैं तो तत्काल प्रभाव से भाजपा और दक्षिणपंथी तमाम संगठनों के उन नेताओं पर सख्त कार्रवाई करें जो सांप्रदायिक नफरत फैलाते हैं। प्रधानमंत्री खुद कपड़ों से पहचानने की राजनीति का त्याग करें, जय श्री राम, जय जगन्नाथ, बजरंग बली के नाम पर वोट मांगना छोड़ें। विभाजन के वक्त भी लाखों मुस्लिम परिवारों ने अपनी मातृभूमि भारत को छोड़कर धर्म के नाम पर बने पाकिस्तान जाना मंजूर नहीं किया। लेकिन आज बात-बात पर मुसलमानों से देशभक्ति के सबूत मांगे जाते हैं, उन्हें पाकिस्तान जाने की नसीहत दी जाती है। इन सब पर लगाम लगाकर नरेन्द्र मोदी अपने ताकतवर प्रधानमंत्री होने का परिचय दें। अगर वे यह सब नहीं कर सकते हैं तो लालकिले की प्राचीर से चाहे जितनी बड़ी-बड़ी बातें कर लें, उनके अर्थ खोखले ही रहेंगे।

अजब-गजब

'राक्षसी गुड़िया' की बढ़ी ऐसी मांग, दो लड़के चुरा ले गए 25 लाख रुपये की लाबुबू डॉल

लाबुबू भले ही एक छोटा-सा खिलौना है लेकिन इसका क्रेज दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। अगर आप सोशल मीडिया पर नजर घूमाएंगे तो आपको समझ आएगा कि हर एक्टर-एक्ट्रेस इसका जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और चोरों ने भी इन सबको देखकर कमाई के लिए नब्ज पकड़ ली है और अब इन्होंने इसे ही चुराना शुरू कर दिया। इसका ताजा उदाहरण दक्षिणी कैलिफोर्निया के चीनो शहर से सामने आया है। यहां एक गोदाम से करीब 25 लाख रुपये (30,000 डॉलर) की कीमत की लाबुबू डॉल्स की चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

सिटी ऑफ चीनो पुलिस डिपार्टमेंट के अनुसार, इन तेज दांतों वाली गुड़ियों को एक वेयरहाउस से कई दिनों में अलग-अलग मौकों पर चोरी किया गया। चोर बार-बार लौटकर माल उठाते रहे। जांच के दौरान पुलिस को अपलैंड स्थित एक घर से चौदह बॉक्स लाबुबू डॉल्स मिले। वहां ऐसे सबूत भी हाथ लगे जिनसे पता चलता है कि चुराई गई गुड़ियों को देशभर में दोबारा बेचने और भेजने की तैयारी चल रही थी। चीनो पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिग लड़कों को पकड़ा है, जो गोदाम में कर्मचारी थे।

इनको पकड़ने के लिए पुलिस ने जब इन पर शिकंजा कसा तो उनमें एक ने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन मौके पर धरा गया और उसने वहां सरेंडर कर दिया। वहीं दूसरे लड़के को मंगलवार को पास के एक शहर से धर लिया गया। दोनों को सैन बर्नार्डिनो काउंटी जुवेनाइल हॉल में चोरी और साजिश रचने के आरोप में रखा गया है। फिलहाल बरामद की गई सारी गुड़ियों को उनके मालिकों को लौटा दिया गया है।

चीनो पुलिस ने अपनी पोस्ट में लिखा कि हमारी टीम ने शानदार काम किया और चोरी का सामान वापस दिलवाया। ये खबर दुनियाभर में लाबुबू डॉल्स की बढ़ती मांग और उनकी दीवानगी को फिर से सुर्खियों में ले आई है। दुकान की मालकिन जोआना अवेंदानो ने बताया कि उन्हें चोरी से कुछ देर पहले ही बेचैनी महसूस हो रही थी। उन्होंने मोबाइल से कैमरे का लाइव फुटेज देखा और हैरान रह गईं।

ब्लॉग

आदर्शवाद से यथार्थवाद, कैसे बदली भारत की विदेश नीति?

अभिनय आकाश

अप्रैल 1955 भारत को आजाद हुए आठ बरस बीच चुके थे। अंग्रेज भारत छोड़कर जा चुके थे। अब हम आजाद थे, अपने कानून बनाने के लिए, अपने तरह से जीने के लिए और आजाद हिंदुस्तान को मिलकर आगे ले जाने के लिए। अप्रैल के महीने की 18 तारीख को इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत बांडुंग में एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में भारत समेत म्यांमार, श्रीलंका, पाकिस्तान, इंडोनेशिया जैसे देश शामिल होते हैं। इस बैठक को बांडुंग सम्मेलन कहा गया। उसी बांडुंग सम्मेलन में जब श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर जॉन कोटलेवाला ने इस ओर ध्यान दिलाया कि पोलैंड, हंगरी, बुल्गारिया और रोमानिया जैसे देश उसी तरह सोवियत संघ के उपनिवेश हैं जैसे एशिया और अफ्रीका के दूसरे उपनिवेश हैं। ये बात नेहरू जी को बहुत बुरी लगी। वो उनके पास गए और आवाज ऊंची करके बोले, सर जॉन आपने ऐसा क्यों किया? अपना भाषण देने से पहले आपने उसे मुझे क्यों नहीं दिखाया? जॉन ने छूटते ही जवाब दिया कि मैं क्यों दिखाता अपना भाषण आपको? क्या आपने अपना भाषण देने से पहले मुझे दिखाते? इतना सुनते ही पंडित नेहरू क्रोध से भर उठे और छह वर्ष तक प्रधानमंत्री की सुरक्षा करने वाले पूर्व आईपीएस केएफ रूस्तमजी की माने तो नेहरू जी ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया था और ऐसा लगा कि जैसे वो कोटेलावाला को तमाचा न जड़ दें। लेकिन बीच में आईं इंदिरा गांधी ने पंडित नेहरू का हाथ पकड़ कर उनके कान में आहिस्ता से कहा- आप शांत हो जाइए। वहां मौजूद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चाऊ एनलाई ने अपनी टूटी-फूटी अंग्रेजी में दोनों को समझाने की कोशिश की। इस वाक्या का जिक्र करते हुए जॉन कोटलेवाला ने अपनी किताब 'एन एशियन प्राइम मिनिस्टर्स स्टोरी' में लिखा कि मैं और नेहरू हमेशा से बेहतरीन दोस्त रहे और मुझे विश्वास है कि नेहरू ने मेरी उस धृष्टता को भुला दिया होगा। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अवधारणा शीत युद्ध की पृष्ठभूमि में इंडोनेशिया में आयोजित इसी बांडुंग सम्मेलन के दौरान रखी गई थी।

स्वतंत्रता के दस्तावेज़ों पर स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि एक नई भू-राजनीतिक वास्तविकता शीत युद्ध के रूप में सामने आ गई। 20वीं सदी का निर्णायक वैचारिक संघर्ष वैश्विक परिदृश्य को दो विरोधी गुटों में विभाजित करते हुए नया रूप देने लगा थाः महाद्वीपों के विभिन्न हिस्सों में सरकारें पक्ष चुन रही थीं। फिर भी भारत की प्रतिक्रिया स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी थी। निमंत्रण के लिए धन्यवाद, लेकिन हम इससे दूर रहेंगे। इस निर्णय से उस विचारधारा का जन्म हुआ जो आगे चलकर भारतीय कूटनीति यानी गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की आधारशिला बनी। गुटनिरपेक्षता के बीज आज़ादी से पहले ही बो दिए गए थे। मार्च 1947 में जवाहरलाल नेहरू ने नई दिल्ली में एशियाई संबंध सम्मेलन की मेज़बानी की। इसमें 28 एशियाई देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जो उत्तर-औपनिवेशिक एकजुटता के दृष्टिकोण से एकजुट थे। इस सम्मेलन का उद्देश्य महाद्वीपीय एकता को बढ़ावा देना और बाहरी शक्ति समूहों के दबाव का विरोध करना था। प्रधानमंत्री बनने के बाद, जवाहरलाल नेहरू ने इस नींव पर और मज़बूती से काम किया। एकता के साथ-साथ, उन्होंने एक और रणनीतिक स्तंभ तटस्थता को जोड़ा। उन्होंने एक ऐसे एशिया की कल्पना की जो शीत युद्ध की उलझनों से दूर रहे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने इन देशों के लिये दोनों गुटों से अलग रहकर एक स्वतंत्र विदेशी नीति रखते हुए आपसी सहयोग बढ़ाने का एक मज़बूत आधार प्रदान किया। जिसकी स्थापना में भारत के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसेफ ब्रॉज टीटो और मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही इंडोनेशिया के अहमद सुकर्णो और घाना के प्रधानमंत्री वामे एनक्रूमा ने भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन को अपना समर्थन दिया। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन वर्ष 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में आयोजित किया गया था, इस सम्मेलन में विश्व के 25 देशों ने हिस्सा लिया था। वर्तमान में विश्व के 120 देश इस समूह के सक्रिय सदस्य हैं। शुरू से ही, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। आलोचकों ने इसे तटस्थ या यहाँ तक कि अलगाववादी भी कहा। लेकिन भारत का नेतृत्व दृढ़ रहा। वे शीत युद्ध के शतरंज के खेल में मोहरे नहीं, बल्कि खिलाड़ी बनना चाहते थे। 1950 के दशक में भारत की कूटनीति ठंडे रणनीतिक गणित के बजाय सिद्धांतों पर आधारित थी। इसने कोरियाई युद्ध के दौरान शांति स्थापित करने की कोशिश की, कम्युनिस्ट चीन की वैश्विक मान्यता की वकालत की और स्वेज संकट के दौरान मिस्र पर त्रिपक्षीय आक्रमण के खिलाफ आवाज उठाई। इन कार्यों ने भारत को नैतिक प्रतिष्ठा और न्याय की आवाज़ की छवि दिलाई। लेकिन एक कमजोरी भी व्यावहारिकता अक्सर गायब रहती थी। 1960 का दशक तीखे सबक लेकर आया। भारत की पड़ोस नीति तब ध्वस्त हो गई जब दो पड़ोसियों 1962 में चीन और 1965 में पाकिस्तान ने हमला किया। चीन के साथ युद्ध की टीस आज तक नहीं गई है। पाकिस्तान के साथ युद्ध जीत के साथ समाप्त हुआ। लेकिन दोनों ही संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दियाः सिद्धांत प्रशंसा तो अर्जित कर सकते हैं, लेकिन सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। आर्थिक रूप से देश अभी भी औपनिवेशिक क्षति के बोझ तले संघर्ष कर रहा था। अर्थव्यवस्था का औद्योगीकरण समाप्त हो चुका था, कृषि की हालत खराब थी और देश सालाना 10-11 मिलियन टन गेहूँ के आयात पर निर्भर था। 1955 और 1965 के बीच भारत विदेशी सहायता पर अपनी निर्भरता के चरम पर पहुँच गया। स्वास्थ्य कार्यक्रमों, ग्रामीण शिक्षा और परिवार नियोजन के लिए लाखों डॉलर देश में प्रवाहित हुए। इस निर्भरता ने गुटनिरपेक्ष रुख को कमजोर कर दिया। वियतनाम युद्ध के दौरान, भारत ने अमेरिकी कार्रवाइयों की आलोचना की, लेकिन उसे अभी भी अमेरिकी सहायता की आवश्यकता थी। वाशिंगटन ने इसका लाभ उठाया और नई दिल्ली पर अपने विरोध को कम करने का दबाव डाला। इस दशक ने भारतीय कूटनीति को एक असहज सच्चाई का सामना करने के लिए मजबूर कर दियाः केवल आदर्श ही विदेश नीति को संचालित नहीं कर सकते। 1970 का दशक यथार्थवाद की ओर एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक था। घरेलू स्तर पर, हरित क्रांति ने कृषि को पूरी तरह बदल दिया। दशक के अंत तक, भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर हो गया, जिससे विदेशी खाद्य सहायता पर निर्भरता का युग समाप्त हो गया। कूटनीतिक मोर्चे पर 1971 में सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि पर हस्ताक्षर के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। यह केवल एक प्रतीकात्मक संकेत नहीं था। यह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के प्रति एक सोची-समझी प्रतिक्रिया थी। अमेरिका चीन के करीब आ रहा था और पूर्वी पाकिस्तान में जातीय बंगालियों पर पाकिस्तान की कार्रवाई ने भारत में शरणार्थियों की भारी आमद को बढ़ावा दिया था। तटस्थता अब इन संकटों का समाधान नहीं कर सकती थी और यथार्थवाद ही आगे बढ़ने का व्यावहारिक रास्ता था। सोवियत गठबंधन रंग लाया। 1971 के युद्ध में, इसने रणनीतिक समर्थन प्रदान किया जिससे भारत को जीत हासिल करने और बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिली। पूरे दशक में, भारत-सोवियत संबंध प्रगाढ़ हुए व्यापार 1973 के 46 करोड़ डॉलर से लगभग दोगुना होकर 1975 में 83 करोड़ डॉलर हो गया, हथियारों की बिक्री का विस्तार हुआ और 1975 में सोवियत रॉकेट से भारत के पहले उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण तक पहुँच गया। 1980 का दशक भारत द्वारा दक्षिण एशिया में अपने नेतृत्व को मज़बूत करने के साथ शुरू हुआ। 1985 में इसने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया में आसियान की तरह एकता को बढ़ावा देना था। लेकिन इस दशक में एक महंगी गलती भी देखी गई। श्रीलंका में, सरकार और तमिल अलगाववादियों के बीच एक क्रूर गृहयुद्ध तेज हो गया। श्रीलंका में तमिलों और दक्षिण भारत में लाखों लोगों के बीच साझा जातीय संबंधों को देखते हुए, नई दिल्ली ने हस्तक्षेप किया। 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के परिणामस्वरूप भारतीय शांति सेना (IPKF) की तैनाती हुई। मूल रूप से शांति बनाए रखने का कार्यभार संभाले हुए, IPKF जल्द ही तमिल अलगाववादियों के साथ सीधे संघर्ष में उलझ गया। 1990 तक, भारत ने अपनी सबसे बड़ी कूटनीतिक भूलों में से एक को चिह्नित करते हुए, इससे पीछे हटना शुरू कर दिया। इस बीच, वैश्विक गतिशीलता बदल रही थी। चीन के साथ संबंधों में गर्मजोशी आई, शीत युद्ध समाप्ति के करीब पहुँच गया और सोवियत संघ अफ़गानिस्तान में उलझ गया। प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1985 में अमेरिका और 1988 में चीन यात्राओं ने शीत युद्ध के बाद की कूटनीतिक रणनीति की ज़मीन तैयार की।

1990 के दशक ने भारत के लिए एक नया अध्याय शुरू किया, जो आर्थिक और कूटनीतिक, दोनों ही अनिवार्यताओं से प्रभावित था। 1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने का प्रयास किया, जिससे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव आवश्यक हो गया। सोवियत संघ के पतन ने एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार को हमसे दूर कर दिया, जिससे भारत को अपने संबंधों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया। 1992 में,भारत ने ₹पूर्व की ओर देखो नीति₹ शुरू की और तथाकथित ₹एशियाई टाइगर्स₹ सहित दक्षिण-पूर्व एशिया की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए आसियान के साथ एक संवाद भागीदार बन गया। उसी वर्ष, भारत ने इज़राइल के साथ सार्वजनिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए, जिससे दशकों का मौन सहयोग समाप्त हो गया। हालाँकि, इस दशक की प्रगति 1998 में बाधित हुई जब भारत ने राजस्थान में परमाणु परीक्षण किए। अमेरिका ने प्रतिबंधों के साथ जवाब दिया और पाकिस्तान ने जल्द ही अपने परीक्षण किए, जिससे क्षेत्र में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुँच गया। 2000 के दशक में प्रवेश करते हुए, भारत को एक अनिश्चित स्थिति का सामना करना पड़ा। दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी, कोई महाशक्ति सहयोगी नहीं और एक प्रतिबंधित अर्थव्यवस्था। इस युग में कूटनीति दो मुख्य लक्ष्यों पर केंद्रित थीः अमेरिका के साथ संबंधों को पुनर्स्थापन और बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को गहरा करना। 2001 तक अधिकांश प्रतिबंध हटा लिए गए थे। आतंकवाद के साझा आघात अमेरिका के 9/11 और भारत के 26/11 ने दोनों देशों को और करीब ला दिया। इस साझेदारी ने एक असैन्य परमाणु समझौते को आगे बढ़ाया और साथ ही अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ जुड़कर गुटनिरपेक्षता की विरासत को भी संरक्षित किया। 2006 में ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन के विदेश मंत्रियों ने न्यूयॉर्क में मुलाकात की, जिसने ब्रिक्स की नींव रखी। समूह का पहला आधिकारिक शिखर सम्मेलन 2009 में हुआ। दशक के अंत तक, भारत की अर्थव्यवस्था फलफूल रही थी और उसकी कूटनीति में विविधता आ रही थी।

पुलिस ने किया रुकने का इशारा तो कर दी फायरिंग, इटावा में हिस्ट्रीशीटर चंदू का एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में अपराध पर अंकुश लगाने और अपराधियों की धरपकड़ के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के चलते थाना बकेवर पुलिस को बीती रात एक सफलता हासिल हुई। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक हिस्ट्रीशीटर चंदू उर्फ चंद्रशेखर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर चंदू इटावा के सूजीपुरा थाना भरथना का रहने वाला है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ, जिसके बाद उसे धर दबोचा गया। मौके से चोरी का महिंद्रा ट्रैक्टर, अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए गए। इस मुठभेड़ में एक आरोपी भागने में सफल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसे मुठभेड़ में पुलिस ने पकड़ा।

पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी

शनिवार रात थाना बकेवर पुलिस टीम थाना क्षेत्र के इकनौर तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान महासिंगपुरा की ओर से आ रहा एक महिन्द्रा ट्रैक्टर पुलिस की नजर में आया। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो ट्रैक्टर सवार बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो बदमाशों ने दोबारा फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में लगी बदमाश को गोली

इसके बाद पुलिस सेल्फ डिफेंस के चलते जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक गोली चंदू के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी चन्दू का भाई ऋषि अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल हो गया। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर के कब्जे से पुलिस ने एक चोरी का महिंद्रा ट्रैक्टर, एक तमंचा 315 बोर, तीन खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह ट्रैक्टर उसने अपने भाई ऋषि के साथ मिलकर रात में चोरी किया था।

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। 79 वाँ स्वाधीनता दिवस समारोह पूरे जनपद में परम्परागत रूप से सादगी व आकर्षक ढंग से मनाया गया। जनपद मुख्यालय सहित प्रत्येक नगरीय व ग्रामीण अंचलों के शासकीय व गैर शासकीय भवनों पर अधिकारियों व जनप्रतिधियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट कार्यालय व शहीद उद्यान में ध्वजारोहरण किया। शहीद उद्यान में जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/क्रान्तकारियों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात राष्ट्रीय गीत जनगण मन... व वन्देमातरम...., का सामूहिक गान किया गया। कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण के पश्चात जिलाधिकारी बिनानी डिग्री कालेज से कलेक्ट्रेट तक की निर्धारित दूरी का क्रास कंट्री रेस में विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस पर लिए जाने वाले संकल्प को दोहराते हुए कहा कि भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने एवं राष्ट्र की एकता व अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करने के दृष्टिगत सभी को संकल्प दिलाया। डीएम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वाभिमान और गौरव की प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज के महत्व को जनमानस में देने हेतु हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया।जिसमें जनपदवासियों की सहभागिता बढ़चढ़ कर लिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

चुनार के ऐतिहासिक किले पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने ध्वजारोहण किया। जमालपुर विकास खण्ड परिसर में ब्लॉक प्रमुख श्रीमती मंजू सिंह ने ध्वजारोहण किया। खण्ड विकास अधिकारी डॉ रक्षिता सिंह व प्रमुख श्रीमती मंजू सिंह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

शैक्षणिक संगोष्ठी में शिक्षा के क्षेत्र में पटेल समाज की भागीदारी बढ़ाने पर दिया गया जोर

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। सरदार वल्लभभाई पटेल अतिथि निवास तेलियाबाग वाराणसी स्थित पटेल धर्मशाला में एक शैक्षणिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय शिक्षा के क्षेत्र में समाज के लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए लिए किस तरह के कार्यक्रम की दिशा तय किया जाए। इसके लिए संगोष्ठी में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्वान प्रोफेसर, चिकित्सक एवं महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, डिग्री कॉलेज चंदौली,उ. प्र.माध्यमिक शिक्षा के विद्वान एवं आसपास के जिलों के अन्य विद्वान प्रतिनिधियों द्वारा इसपर चर्चा किया गया। विद्वानों द्वारा कुर्मी समाज की शिक्षा, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। कुर्मी समाज के युवाओं को सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने एवं उनके मार्गदर्शन के लिए आधारभूत सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया। इस संगोष्ठी का संचालन विद्युत प्रकाश सिंह संपादक मंडल के सदस्य द्वारा किया गया। पटेल धर्मशाला के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह , महामंत्री राजेश्वर पटेल उपस्थिति रहे। संगोष्ठी में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय कुमार, डॉ. आलोक, डॉ. सतीश कुमार सिंह, सुनील पटेल, डॉ रश्मि सिंह, डाक्टर योगेश कुमार पटेल एसोसिएट प्रोफेसर डा सुधीर कुमार सिंह , डा विजय प्रताप सिंह , अजय कुमार पटेल, अभिमन्यु सिंह, नवीन बहादुर सिंह, सत्यपाल सिंह , विष्णु सिंह, सुरेंद्र कुमार सिंह, सुनील सिंह, अनिल सिंह, राहुल पटेल अलावा आसपास के जिलों के शिक्षक प्रतिनिधि शामिल हुए। संचालन विद्युत प्रकाश सिंह ने किया।

स्ट्रीट डॉग के समर्थन में लोगों ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। सिविल लाइंस में रविवार को स्ट्रीट डॉग के समर्थन में सामाजिक संगठन 'रक्षा' नें प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का उद्देश्य बेजुबान जानवरों की सुरक्षा और उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश देना था।

यह प्रदर्शन शाम 4 बजे सिविल लाइंस के प्रमुख सुभाष चौराहे से शुरू हुआ, जहां शहर के विभिन्न हिस्सों से आए पशु प्रेमी (एनिमल लवर्स) इकट्ठा हुए। रैली की शक्ल में शुरू हुआ यह प्रदर्शन सुभाष चौराहे से निकल कर धरना स्थल तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। सभी के हाथों में बैनर, पोस्टर और प्लेकार्ड थे जिन पर 'बेजुबानों को इंसाफ दो', 'कुत्ते भी इस धरती के निवासी हैं', और 'हर कुत्ता खतरनाक नहीं होता' जैसे संदेश लिखे थे।

रक्षा एनजीओ की संचालिका वंशिका गुप्ता ने प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम लोग आज यहाँ इसलिए इकट्ठा हुए हैं।

महिला के कपड़े पहनकर घर में घुसा, युवती की गर्दन पर कर दिया चाकू से वार, फिर हो गया फरार

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में शनिवार देर रात एक युवती पर घर में ही हमला कर दिया गया। हमलावर ने चाकू से युवती की गर्दन पर वार कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलवार महिला के कपड़े पहने था। इस घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस ने आरोपी को जल्दी गिरफ्तार करने की बात कही है।

ये मामला सहारनपुर के नागल थाना इलाके के गंजेड़ी गांव से सामने आया, जहां पर शनिवार की देर रात आयशा नाम की एक युवती पर अज्ञात शख्स ने चाकू से हमला कर दिया। उसने आयशा की गर्दन पर वार किया और उसे घायल कर दिया। आयशा पर उस समय हमला किया गया। जब वह घर पर थी। आयशा की गर्दन पर चाकू से वार करने के बाद आरोपी शख्स फरार हो गया।

चीख सुनकर पहुंच परिजन

आरोपी शख्स ने जैसे ही आयशा की गर्दन पर वार किया। वह दर्द से चीख गई। आयशा की चीखने के आवाज सुनकर परिवार के लोग आयशा के पास आए और देखा तो उसकी गर्दन से खून बह रहा था। आनन फानन में परिवार के लोग और ग्रामीण आयशा को नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक हमलावर महिला के कपड़े पहनकर आया था।

मामले पर पुलिस ने क्या कहा?

आयशा के परिजन ने किसी से भी किसी तरह की रंजिश से इनकार किया है, लेकिन इस हमले को वह एक प्री प्लान हमला बता रहे है। ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों से आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आयशा नाम की युवती पर चाकू से हमला किए जाने की खबर मिली है। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए जा रहे है। इसके अलावा आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है। गांव के लोगों और परिवार वालों से भी पूछताछ की जा रही है। घायल युवती की अब खतरे से बाहर है। गांव में गश्त भी बढ़ा दी गई है।

परिवार बोला नहीं, प्रेमी–प्रेमिका बोले हां... थाने से सीधा मंडप तक पहुंचा प्यार, पुलिस ने मंदिर में करवा दी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के साढ़ थाना क्षेत्र की बिरहर चौकी में बने मंदिर में प्रेमी जोड़े की शादी करा दी गई। इस शादी में दुल्हा दुल्हन के अलावा बराती पुलिस वाले, घरवाले और ग्राम प्रधान मौजूद रहे। नवविवाहिता दंपति के बीच प्यार करीब 3 साल पहले हुआ। साढ़ थाना क्षेत्र के हंसकर गांव का रहने वाला विकास कुशवाहा अपने रिश्तेदार के घर बिधनू गया था।

इसी दौरान उसकी मुलाकात कठेरिया की रहने वाली नंदिनी से हुई। दोनों के गांव की दूरी 45 किलोमीटर होने के बावजूद दोनों अक्सर एक दूसरे से मिलने जुलने लगे। इसी बीच इस बात की जानकारी नंदिनी के घर वालों को लग गई और वो दोनों के संबंध का विरोध करने लगे। नंदनी का घर से बाहर जाना बंद करा दिया गया। उसके घर वाले उस पर नजर रखने लगे। फिर भी चोरी से नंदिनी विकास से लगातार संपर्क में रही।

अगर बिरादरी की वजह से शादी से इनकार

इसके बाद नंदिनी के घर वाले उसे जान से मार देने की धमकी भी देने लगे। नंदनी के घर वालों का कहना था कि अलग बिरादरी का लड़का होने की वजह से वह शादी नहीं कर सकते, लेकिन बीती 13 तारीख को नंदिनी घर से भाग कर विकास के पास पहुंच गई। इसके बाद उसके घर वालों ने इस बात की जानकारी पुलिस को दी। फिर पुलिस दोनों को चौकी लाई। दोनों से घंटों पूछताछ की और समझाया, लेकिन दोनों एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खा रहे थे। दोनों ने पुलिस को बताया कि वो बालिग हैं और उन्होंने अपनी मर्जी से एक दूसरे को जीवनसाथी चुना है। इसके बाद पुलिस ने दोनों परिवारों को समझाकर इस शादी के लिए राजी किया। फिर भी नंदिनी ने यह बात पुलिस से साफ कहा कि उसकी जान को खतरा है। इसके बाद दोनों के घर वालों को बुलाकर चौकी में पंचायत की गई और पुलिस ने उन्हें समझा बूझाकर दोनों का घर बसवाया। इस विवाह में पंडित जी ने मंत्र पढ़े, ग्राम प्रधान और दोनों के घरवाले मौजूद रहे। हिंदू रीति रिवाज के अनुसार जयमाला, मंगलसूत्र, और मांग भराई की रस्म की गई। दोनों ने भगवान को साक्षी माना और शादी के बंधन में बंध गए।

थाना प्रभारी ने क्या बताया?

साढ़ थाना प्रभारी अविनाश सिंह ने प्रेमी जोड़ा अपनी मर्जी से विवाह करना चाहता था, लेकिन लड़की का परिवार लड़के के गैर जातीय होने की बात कह रहा था। हालांकि दोनों पक्षों को समझा बुझाकर बिरहर चौकी में बने शिव मंदिर में प्रेमी जोड़े की हिंदू रीति रिवाज से शादी करा दी गई। शादी में ग्राम प्रधान और प्रेमी जोड़े का परिवार मौजूद रहा।

थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर दोनों के परिवार वालों ने नव दंपति को आशीर्वाद भी दिया। इसके बाद दोनों को परिवारों वालों के साथ घर वापस भेज दिया गया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर पुलिस लाइन में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम देख दर्शक हुए भाव विभोर

मीरजापुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर पुलिस लाइन में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल, पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर, सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की पत्नी निवेदिता भट्टचारजी भारतीय राजस्व सेवा की डिप्टी डायरेक्टर की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ भव्य सास्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कलाकारों ने भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। जिसमें श्रीकृष्ण लीला को दर्शाया गया। साथ ही पुलिस कर्मियों द्वारा भावनात्मक प्रस्तुति दी गयी। भारी संख्या में आये दर्शकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम देख भाव विभोर हो गये। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन किर्तन के उपरान्त सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपनी पत्नी के साथ पुलिस लाइन प्रांगण में स्थित मंदिर में विधि विधान के साथ हवन पूजन किया गया तथा श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।

पहले ज्योति, अब शिवम... 29 दिन में 2 छात्रों के सुसाइड ; शारदा यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में शारदा यूनिवर्सिटी है। हर साल हजारों बच्चे अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने की चाहते में यहां पढ़ने आते हैं। इनमें से कोई डॉक्टर बनना चाहता है तो कोई इंजीनियर, वहीं कई बच्चे लॉ, आर्किटेक्ट और मैनेजमेंट प्रोफेशनल बनने के सपनों के साथ आते हैं। लेकिन महज 29 दिनों के भीतर दो छात्रों की आत्महत्या ने यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहली घटना 18 जुलाई को हुई, जब बीडीएस (BDS) सेकेंड ईयर की छात्रा ज्योति जांगड़ा ने आत्महत्या कर ली। इसके ठीक 29 दिन बाद, 16 अगस्त को बीटेक (B।Tech) के छात्र शिवम कुमार ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। ज्योति और शिवम दोनों ने ही जान देने से पहले कथित सुसाइड नोट छोड़े। ज्योति के कथित सुसाइड नोट में दो यूनिवर्सिटी की फैकल्टी सदस्यों पर मानसिक उत्पीड़न और अपमान करने का आरोप लगाया था। इस मामले में पुलिस ने 6 लोगों का नामजद किया था। इसके साथ ही दो फैकल्टी को गिरफ्तार भी किया था।वहीं, शिवम के परिजन ने भी यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं।

क्या है ज्योति जांगड़ा का मामला?

18 जुलाई, शुक्रवार रात को ज्योति का शव उसके हॉस्टल के कमरे से मिला था। इसके बाद मामले की जांच के लिए दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने ज्योति के कमरे से उसका मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट और दो डायरियां बरामद कीं। इसके साथ ही पुलिस को ज्योति के रूम से सुसाइड नोट भी मिला। उसके कॉल रिकॉर्ड और सोशल मीडिया पर हुई बातचीत की भी जांच की गई। हरियाणा के गुरुग्राम की रहने वाली ज्योति के कथित सुसाइड नोट में साफतौर पर दो फैकल्टी पर आरोप लगाते हुए लिखा गया था, "महिंदर सर और शैरी मैम मेरी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। मैं चाहती हूं कि वह सलाखों के पीछे जाएं। उन्होंने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। उन्होंने मेरी बेइज्जती की। मैं उनकी वजह से लंबे समय तक तनाव में रही। मैं चाहती हूं कि उन्हें भी यही सब सहना पड़े। मुझे माफ करना। मैं अब ऐसे और नहीं जी सकती।"

ज्योति के दोस्तों ने बताई टॉर्चर की बात

ज्योति के दोस्तों ने बताया था कि पुलिस को जो डायरी मिली थीं। उसमें ज्योति ने अपने साथ हुए टॉर्चर की पूरी दास्तां बयां की हुई थी। पुलिस ने जब डायरी को पढ़ा तो उसमें ज्योति ने लिखा था कि एक प्रोफेसर ने उसके लंबे बालों को लेकर उसे डांटा था। कहा था कि इन्हें कटवाओ। ज्योति ने जब उनकी बात भी मान ली थी। ज्योति के दोस्तों ने बताया- "प्रोफेसर ज्योति को अक्सर ताने मारते थे। वो तरह-तरह से उसे प्रताड़ित करते थे। इतना टॉर्चर कोई कैसे ही सह सकता था?" ज्योति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी गंभीर चिंता जताई थी और यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन से जवाब भी मांगा गया था। यही नहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी समेत कई नेताओं ने न्यायिक जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।वहीं यूनिवर्सिटी ने आरोपी डीन, HOD और अन्य फैकल्टी को सस्पेंड कर दिया था। पुलिस ने एक्शन लेते हुए दोनों प्रोफेसर महिंदर और शैरी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। उन पर अभद्रता, उत्पीड़न, आत्महत्या के लिए उकसाने जैसी धाराधों में केस दर्ज किया गया था।

बीटेक के छात्र शिवम कुमार डे का मामला

ज्योति जांगड़ा केस के ठीक 29 दिन बाद, 16 अगस्त को बीटेक (कंप्यूटर साइंस) के छात्र शिवम कुमार डे ने हॉस्टल में फांसी लगाकर जान दे दी। शिवम कुमार डे का शव उनके होस्टल के रूम में मिला। पुलिस को कमरे से मिला सुसाइड नोट बताता है कि शिवम ने किसी पर आरोप नहीं लगाया, बल्कि खुद को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने परिवार से माफी मांगी और कहा है कि वह यूजलेस हैं। यूनिवर्सिटी से फीस लौटाने की गुजारिश की है कि वह उनकी सारी फीस उनके परिजनों को लौटा दें। क्योंकि मैंने अपने सेकंड ईयर के बाद कभी कॉलेज में एडमिशन नहीं लिया। हालांकि, शिवम ने अपने सुसाइड नोट में अपनी मौत का जिम्मेदार और किसी को नहीं बताया और लिखा कि यह फैसला उन्होंने खुद लिया है, लेकिन शिवम ने फीस वापसी की मांग के साथ एजुकेशन सिस्टम पर सवाल उठाए और लिखा कि इस एजुकेशन सिस्टम के लिए वह सही नहीं हैं। अगर देश को महान बनना है तो उन्हें सही एजुकेशन सिस्टम शुरू करना होगा। इस केस की जांच पुलिस कर रही है। अभी तक किसी पर कोई केस या FIR दर्ज नहीं की गई है।

शिवम के मामले में यूनिवर्सिटी ने क्या कहा?

शिवम बिहार के मधुबनी के रहने वाले थे। रिपोर्ट के मुताबिक यूनिवर्सिटी का कहना है कि शिवम का CGPA थर्ड ईयर में प्रमोशन के लिए जरूरी 5।0 से कम था। इसी वजह से उसे सुधार का मौका दिया गया। यूनिवर्सिटी ने उसे स्पेशल एग्जाम देने का विकल्प और सिर्फ 40 प्रतिशत फीस पर दोबारा सेकंड ईयर में एडमिशन लेने का ऑफर दिया था, लेकिन शिवम ने दोबारा री-एडमिशन नहीं कराया। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, स्पेशल एग्जाम का मौका देने के बावजूद जब शिवम पूरे नहीं कर पाए तो पॉलिसी के मुताबिक उन्हें सिर्फ 40 प्रतिशत फीस पर दोबारा सेकंड ईयर में एडमिशन का विकल्प दिया गया।

उत्तराखंड के गांव में मुलाकात, पति को छोड़कर कर ली शादी ; लेकिन फिर मिला ऐसा 'धोखा', पुलिस तक पहुंचा मामला

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। एक शादीशुदा महिला और दो बच्चों की मां उत्तराखंड में रहने के दौरान यूपी के गाजीपुर के रहने वाले एक युवक से प्यार कर बैठी। इसके बाद वो अपने पति के साथ रहते हुए भी युवक से बातचीत करने लगी। फिर युवक और उसकी बहन ने महिला के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। इसके महिला ने पति से तलाक लिए बगैर युवक से शादी कर ली और लखनऊ में रहने लगी।

कुछ महीनों के बाद युवक के परिवार के लोग पहुंचे। उन्होंने महिला को पैसे का लालच देकर युवक का साथ छोड़ने की बात कही, लेकिन महिला नहीं मानी तो उसे धमकी दी गई। हालांकि फिर युवक ही महिला को छोड़कर अपने गांव चला गया। ये पूरा मामला गाजीपुर जिले के भांवरकोल थाने का है। युवक भांवरकोल थाने के सोनाडी गांव का रहने वाला है। उसका नाम सत्यम है।

महिला ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

महिला ने गाजीपुर के भांवरकोल थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला सहारनपुर जिले की रहने वाली है। वो उत्तराखंड के गांव बुगवाला में पति और अपने दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रहती थी। वहीं पर वो भाबरकोल थाना अंतर्गत सोनाडी गांव के रहने वाले सत्यम से आए दिन बात किया करती थी। वो पति से चोरी छुपे युवक से बात करती थी, लेकिन यह बात किसी तरह उसके पति को पता चल ही गई।

इसके बाद महिला ने सत्यम से बात करने से मना कर दिया, लेकिन सत्यम उसे धमकी देने लगा कि तुम्हारे दोनों बच्चों के साथ तुम्हारे पति को मार दूंगा। सत्यम ने महिला से उसके सारे जेवर भी मांगे और बताया कि उसकी बहन बीमार है। सत्यम के द्वारा डराने धमकाने पर महिला ने अपने सारे गहने युवक को दे दिए। हालांकि जब वो सत्यम की की बहन से मिली तो उसने बताया कि भाई आपसे बहुत प्यार करता है।

वाराणसी में कराई युवक और महिला की शादी

बाद में सत्यम ने शादी का प्रस्ताव रखा, लेकिन इस दौरान पहले पति के रहते हुए दूसरी शादी करना महिला के लिए कानूनी अड़चन थी। तब उसकी बहन ने महिला से कहा कि तुम हमारे पास आ जाओ। तुम दोनों की शादी मंदिर में करवा देंगे और बाद में पति से तलाक दिलवाकर कानूनी शादी भी करवा देंगे। इसके बाद युवक के परिजनों के सानिध्य में वाराणसी के कामाख्या मंदिर में पूरे रीती रिवाज के साथ दोनों की शादी हुई। शादी के बाद बाद सत्यम महिला को लेकर लखनऊ में किराए के मकान में रहने लगा। दोनों के साथ रहने के कुछ महीनों के बाद सत्यम के पिता और चाचा उसके किराए के घर पर पहुंचे। उन्होंने महिला को पांच लाख का प्रलोभन देकर सत्यम को छोड़ने की बात कही, लेकिन उसने मना कर दिया। महिला ने बताया कि वो 7 महीने के प्रेग्नेंट है और कहीं नहीं जाएगी। फिर सत्यम के चाचा उसे जान से मारने की धमकी देकर अपने गांव चले गए।

युवक सहित कुल 8 लोगों पर मुकदमा दर्ज

उसके कुछ दिनों के बाद सत्यम भी महिला को छोड़कर अपने गांव चला गया। जब वह उसे खोजते हुए उसके गांव गई तो सत्यम के पिता ने उससे कहा कि यहां से चली जाओ तुम्हें नहीं रखेंगे। फिर उसको गालियां देते हुए उसे घर से निकाल दिया। वहीं पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर विभिन्न धाराओं में युवक सहित कुल आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है।

केरल में 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' का खतरा, एक बच्ची की मौत, जानिए इस घातक बीमारी के बारे में

केरल के कोझिकोड जिले में अमीबिक इंसेफेलाइटिस संक्रमण के कारण नौ साल की एक बच्ची की मौत हो गई है। ये एक दुर्लभ प्रकार का मस्तिष्क संक्रमण है, जो संक्रमित दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा के कारण होता है। इसे 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' के नाम से भी जाना जाता है।

हाल के महीनों में निपाह वायरस के प्रकोप के बाद दक्षिणी राज्य केरल से एक और गंभीर संक्रामक रोग का मामला सामने आ रहा है। शनिवार (16 अगस्त) को अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी केरल के कोझिकोड जिले में अमीबिक इंसेफेलाइटिस संक्रमण के कारण दो दिन पहले नौ साल की एक बच्ची की मौत हो गई। ये एक दुर्लभ प्रकार का मस्तिष्क का संक्रमण है, जो संक्रमित दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा के कारण होता है।

एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि बच्ची को 13 अगस्त को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत तेजी से बिगड़ने पर उसे 14 अगस्त को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसी दिन उसकी मृत्यु हो गई।

मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी लैब में शुक्रवार देर रात सैंपल की जांच की गई। जांच में पता चला कि बच्ची की मौत का कारण अमीबिक इंसेफेलाइटिस था। गौरतलब है कि ये संक्रमण काफी घातक होता है और केरल में पहले भी इसके मामले देखे जाते रहे हैं। इस 'ब्रेन ईटिंग अमीबा' भी कहा जाता है। इस मामले के सामने आने के बाद अधिकारियों ने सभी लोगों को अलर्ट रहने और सावधानी बरतते रहने की सलाह दी है।

इस साल का चौथा मामला

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, हम उस जलाशय की पहचान करने कोशिश कर रहे हैं जहां के दूषित पानी के कारण बच्ची को यह रोग हुआ था। जलाशय की पहचान हो जाने के बाद, हम उन लोगों की तलाश करेंगे जिन्होंने हाल ही में उसमें स्नान किया होगा, ताकि उन्हें इस जानलेवा संक्रमण के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

अधिकारी ने बताया कि इस साल जिले में दुर्लभ मस्तिष्क संक्रमण का यह संभवतः चौथा मामला है। पिछले साल भी केरल के कई जिलों में इस संक्रमण के मामले रिपोर्ट किए गए थे।

अमीबिक इंसेफेलाइटिस के बारे में जानिए

मेडिकल विशेषज्ञों के मुताबिक अमीबिक इंसेफेलाइटिस मस्तिष्क का एक दुर्लभ और घातक संक्रमण है । इसे मोटे तौर पर प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोइंसेफेलाइटिस (पीएएम) और ग्रैनुलोमैटस अमीबिक इंसेफेलाइटिस (जीएई) में वर्गीकृत किया जा सकता है। अमीबिक इंसेफेलाइटिस या प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस (पीएएम), नेगलेरिया फाउलेरी नामक अमीबा के संक्रमण के कारण होने वाली बीमारी है। यह संक्रमण मस्तिष्क के ऊतकों को नष्ट करने लगता है जिससे ज्यादातर मामलों में मस्तिष्क में गंभीर सूजन और मृत्यु हो जाती है। आंकड़ों से पता चलता है कि वैसे तो ये दुर्लभ है पर ये आमतौर पर स्वस्थ बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में हो सकता है। संक्रमण की आशंका तब अधिक हो सकती है जब दूषित पानी नाक में प्रवेश कर जाता है। पानी में गोते लगाने वाले लोगों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

संक्रमितों को क्या दिक्कतें होती हैं?

अध्ययनों की रिपोर्ट से पता चलता है कि संक्रमितों में शुरुआती लक्षण आमतौर पर फ्लू की तरह होते हैं जिसमें सिरदर्द, बुखार, मतली और उल्टी की दिक्कत हो सकती है। गंभीर स्थिति में गर्दन में अकड़न, भ्रम, दौरे पड़ने, कोमा जैसी मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसके लक्षण तेजी से विकसित हो सकते हैं और पांच से 18 दिनों के भीतर संक्रमण घातक हो सकता है। मस्तिष्क की सूजन के कारण दौरे पड़ सकते हैं। कुछ संक्रमितों में हेलुसिनेशन और शरीर का संतुलन बनाने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

बचाव के लिए विशेषज्ञों ने दी सलाह

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सावधान करते हुए कहा, बच्चों को तालाब या ठहरे हुए पानी में नहाने से बचना चाहिए। स्विमिंग पूल और वाटर थीम पार्क में पानी को नियमित रूप से क्लोरीनेट करते रहना भी जरूरी है। दूषित पानी के संपर्क में आने के कारण इस संक्रमण का खतरा होता है।

क्या हैं 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' के संक्रमण के लक्षण?

तेज सिर दर्द
तेज बुखार
मितली
उल्टी
गर्दन में अकड़न
रोशनी से परेशानी
कंफ्यूजन
भ्रम पैदा होना
संतुलन न बना पाना
कोमा

कैसे करें इससे बचाव?

किसी भी वॉर्म फ्रेश वॉटर बॉडी में बिना नोज प्लग लगाए बिना न जाएं। साथ ही, अगर ऐसी संभावना है कि वह पानी 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' से संक्रमित है, तो उसमें बिल्कुल न जाएं।

नाक साफ करने के लिए पानी को उबालकर ठंडा कर लें, फिर इसका इस्तेमाल करें।

क्लोरिनेटेड स्वीमिंग पूल का ही इस्तेमाल करें।

तैराकी करते समय मुंह को पानी के भीतर न डालें।

किसी गर्म पानी के तलाब या स्वीमिंग पूल में जाने के बाद सिरदर्द या बुखार की समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलकर उन्हें इस बारे में बताएं।

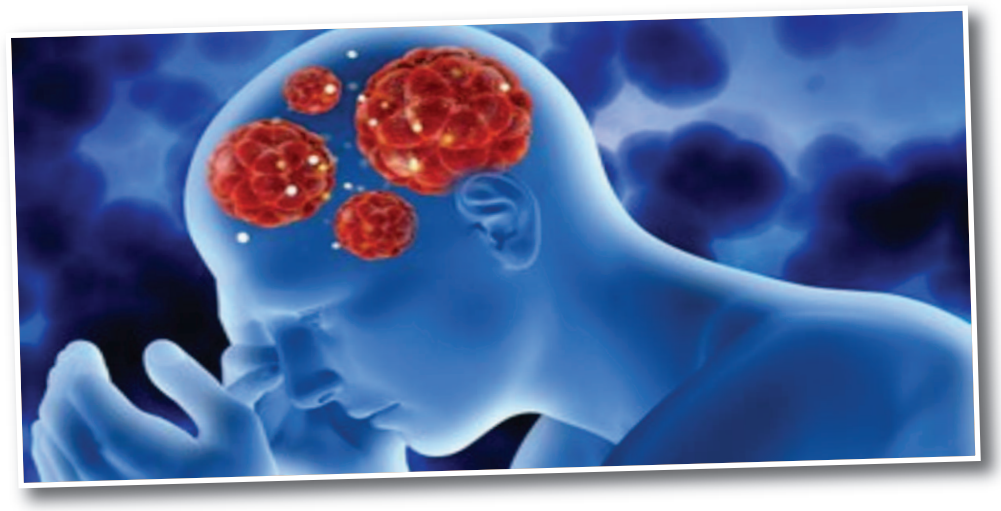

पिंपल फोड़ने की आदत छोड़ दें, वरना त्वचा को भुगतने पड़ेंगे ये परिणाम

प्रदूषण और अस्त-व्यस्त जीवनशैली की वजह का सीधा असर लोगों के चेहरे पर पड़ता है, जिस कारण अक्सर चेहरे पर मुंहासे निकलने लगते हैं। खासतौर पर जब तनाव ज्यादा होता है, तब भी चेहरे पर मुंहासे निकलना बेहद आम समस्या है। कई लोग मुंहासे निकलते ही उसे फोड़ देते हैं, जबकि ऐसा भूल से भी नहीं करना चाहिए।

दरअसल, मुंहासे अपने आप दो से तीन दिन में ठीक हो जाते हैं, लेकिन अगर आप उसे फोड़ते हैं, तो ये कई समस्याओं को जन्म देते हैं, जिनके बारे में हम आपको बताएंगे। इन समस्याओं के बारे में जानकर आप कभी भी मुंहासे नहीं फोड़ेंगे।

बढ़ जाता है संक्रमण का खतरा

अगर आप भी मुंहासे फोड़ देते हैं तो ये दिक्कत आपके सामने सबसे पहले आएगी। दरअसल, मुंहासे फोड़ने पर त्वचा की ऊपरी परत टूट जाती है, जिससे बैक्टीरिया त्वचा के अंदर तक चले जाते हैं। इसकी वजह से चेहरे पर संक्रमण फैल सकता है। इसलिए मुंहासों को फोड़ने से बचें।

रह जाते हैं निशान

मुंहासों को फोड़ने से भले ही आपका चेहरा उस वक्त साफ दिखने लगे, लेकिन उस जगह पर हल्का काला निशान बन जाता है, जो महीनों आपके चेहरे पर जस का तस बना रहता है। कई बार तो मुंहासे फोड़ने के तुरंत बाद ही चेहरे पर निशान आ जाता है, जो देखने में अजीब लगता है।

त्वचा पर गड्ढे हो जाते हैं

मुंहासे फोड़ने से कुछ लोगों की त्वचा पर मुंहासे फोड़ने से स्थायी गड्ढे बन जाते हैं। ये गड्ढे ठीक कर पाना बहुत मुश्किल होता है। इसकी वजह से चेहरा काफी डल दिखने लगता है, इसलिए जितना हो सके मुंहासे फोड़ने से बचें।

मुंहासे और भी फैल सकते हैं

जब आप एक मुंहासा फोड़ते हैं, तो उसमें मौजूद बैक्टीरिया और मवाद आसपास की त्वचा तक फैल सकता है, जिससे नए मुंहासे निकल सकते हैं। इसलिए मुंहासों को अपने आप ही ठीक होने दें, फोड़ने से ये आपकी दिक्कत को और बढ़ा सकते हैं।

हीलिंग प्रक्रिया में आती है रुकावट

मुंहासे फोड़ने से त्वचा की खुद को ठीक करने की प्रक्रिया में रुकावट आती है, जिससे मुंहासा ज्यादा समय तक बना रह सकता है। इसलिए कभी भी मुंहासों को कभी भी हाथ से न फोड़ें।

शरीर को धीरे-धीरे खोखला बना देती है इंसुलिन रेजिस्टेंस की स्थिति, आप भी न हो जाएं शिकार?

इंसुलिन रेजिस्टेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करती हैं, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। इसका शररी पर कई प्रकार से असर हो सकता है।

डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसका जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत धीरे-धीरे 'डायबिटीज कैपिटल' बनाता जा रहा है, यहां सभी उम्र के लोगों में इस बीमारी के मामले बढ़ रहे हैं। डायबिटीज का आप जब भी जिक्र सुनते होंगे तो इंसुलिन रेजिस्टेंस का नाम जरूर आता होगा। क्या आप जानते हैं कि इंसुलिन रेजिस्टेंस होता क्या है और इसका शरीर पर क्या असर होता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, इंसुलिन हमारे शरीर में कई कार्यों के लिए जरूरी एक अति आवश्यक हार्मोन है। यह हार्मोन हमारी कोशिकाओं में शुगर को अंदर जाने देता है, ताकि वह ऊर्जा बन सके। लेकिन जब इंसुलिन हार्मोन्स का असर कम हो जाता है या इसका प्रभाव नहीं होता है तो इस स्थिति को इंसुलिन रेजिस्टेंस कहा जाता है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस चुपचाप बढ़ता है। शुरू में इससे न कोई दर्द होता है, न बड़ा लक्षण दिखता है हालांकि दीर्घकालिक रूप में ये शरीर को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली समस्या हो सकती है और इसके कई गंभीर दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इंसुलिन रेजिस्टेंस को सही समय पर पहचान लिया जाए, तो लाइफस्टाइल में छोटे-छोटे बदलाव करके इसे रोका जा सकता है। आइए जानते हैं कि इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं और इससे बचे रहने के लिए आप क्या उपाय कर सकते हैं?

पहले इंसुलिन के बारे में जान लीजिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, इंसुलिन एक हार्मोन है। हमारे अग्न्याशय द्वारा इसका निर्माण होता है। इसका सबसे बड़ा काम है भोजन से प्राप्त होने वाले शुगर (ग्लूकोज) को कोशिकाओं तक पहुंचाना।

जब हम खाना खाते हैं, तो शरीर उसे तोड़कर ग्लूकोज में बदल देता है। यही ग्लूकोज खून में घुल जाता है और खून से हमारे शरीर की कोशिकाओं तक पहुंचता है। लेकिन कोशिकाएं सीधे इस शुगर को नहीं ले सकतीं, यहीं इंसुलिन काम आता है। इंसुलिन कोशिकाओं में शुगर के प्रवेश को आसान बनाता है ताकि वे अंदर जाकर ऊर्जा में बदल सकें।

अगर इंसुलिन ठीक से काम न करे, तो शुगर कोशिकाओं में नहीं जाएगी और खून में ही बढ़ने लगेगी। इससे ब्लड शुगर हाई हो जाती है और डायबिटीज जैसी बीमारियां होने लगती हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि इंसुलिन हार्मोन हमारे शरीर में ऊर्जा के निर्माण के लिए बहुत जरूरी है।

अब समझिए इंसुलिन रेजेस्टेंस क्या है?

इंसुलिन रेजिस्टेंस का मतलब है कि हमारी कोशिकाएं इंसुलिन के संकेतों को नहीं सुन रही हैं। सरल भाषा में समझें तो इंसुलिन रेजिस्टेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करती हैं, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। ये स्थिति सिर्फ हाई शुगर का कारण नहीं बनती हैं बल्कि धीरे-धीरे मोटापा, हृदय रोग और फैटी लिवर तक का कारण बन सकती है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस की दिक्कत हो क्यों है?

अब सवाल है कि ये समस्या क्यों होती है? इस बारे में एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ राजीव सिंह बताते हैं, इंसुलिन रेजिस्टेंस धीरे-धीरे हमारी लाइफस्टाइल और गड़बड़ आदतों के कारण बनती है। जिन लोगों के पेट के आस-पास अधिक चर्बी होती है उनको इसका खतरा अधिक रहता है। बेली फैट की समस्या इंसुलिन को ब्लॉक करने वाले कैमिकल्स रिलीज करती है, जिससे इंसुलिन का कार्य प्रभावित हो जाता है।

इसके अलावा जंक फूड्स और चीनी वाली चीजें जैसे कोल्ड ड्रिंक, तैलीय और प्रोसेस्ड फूड खाने से भी इंसुलिन रेजिस्टेंस की दिक्कत हो सकती है।

फिर इससे बचाव के लिए क्या करें?

डॉक्टर बताते हैं, जीवनशैली और खानपान की आदतों में बदलाव लाकर इसे रोका जा सकता है। स्वस्थ आहार अपनाना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना, वजन को कंट्रोल रखना और तनाव-नींद को नियंत्रित करना आपके लिए जरूरी है।

इस समस्या से बचे रहने के लिए पौष्टिक खाद्य पदार्थों पर ध्यान दे। आहार में फलों-सब्जियों, लीन प्रोटीन और साबुत अनाज को शामिल करें। इसके अलावा प्रोसेस्ड चीजों से बचाव करें।

जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये समस्या रही है उन्हें पहले से ही सावधानी बरतनी चाहिए।

इंसुलिन रेजिस्टेंस की गंभीर स्थिति में रोगियों को नियमित रूप से इंसुलिन का इंजेक्शन लेने की आवश्यकता हो सकती है।

व्हाट्सऐप यूज करते समय स्क्रीन का रखें ध्यान, वरना खाली हो सकता है बैंक अकाउंट

वनकार्ड ने हाल ही में अपने कस्टमर्स को एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। इसमें लोगों को वॉट्सऐप स्क्रीन मिररिंग फ्रॉड नाम की नई ठगी से सावधान किया गया है। कई लोग इस फ्रॉड के शिकार हो चुके हैं क्योंकि ज्यादातर को इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। अगर आप इस जाल में फंस गए तो आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है, आपकी पर्सनल जानकारी चोरी हो सकती है।

वॉट्सऐप स्क्रीन मिररिंग फ्रॉड क्या है?

वनकार्ड के मुताबिक इस स्कैम में फ्रॉडस्टर किसी को धोखे से वॉट्सऐप पर स्क्रीन शेयरिंग चालू करवा लेते हैं। जैसे ही स्क्रीन शेयरिंग ऑन होती है ठग आपके OTPs, बैंक डिटेल्स, पासवर्ड और मैसेज जैसी सारी संवेदनशील जानकारी देख लेते हैं।

यह फ्रॉड कैसे काम करता है?

भरोसा- स्कैमर खुद को बैंक या किसी फाइनेंशियल कंपनी का कर्मचारी बताता है। वह कहता है कि आपके अकाउंट में कोई दिक्कत है और आपको स्क्रीन शेयर करने के लिए बोलता है। यहीं से फ्रॉड शुरू होता है।

शुरुआत- ठग आपको स्टेप-बाय-स्टेप समझाता है कि स्क्रीन-शेयरिंग कैसे ऑन करनी है। फिर बहाना बनाता है कि उसे स्क्रीन साफ नहीं दिख रही। इसके बाद वह आपसे वॉट्सऐप वीडियो कॉल शुरू करने के लिए कहता है।

ठगी- जैसे ही आप स्क्रीन-शेयरिंग करते हैं, ठग लाइव आपके मोबाइल की स्क्रीन देखने लगता है। फिर वह किसी ट्रांजैक्शन को वेरिफिकेशन बताकर कर देता है। OTP या PIN डालते ही वह जानकारी सीधे ठग के पास चली जाती है।

दूसरा तरीका – कीबोर्ड लॉगर

कभी-कभी स्कैमर आपके फोन में कीबोर्ड लॉगर नाम का मालवेयर ऐप इंस्टॉल कर देता है। यह आपकी हर टाइपिंग को रिकॉर्ड करता है। इसी वजह से कई बैंक वेबसाइट्स ऑन-स्क्रीन कीबोर्ड देती हैं ताकि लॉगर आपकी टाइपिंग पकड़ न पाए। इस तरीके से आपके बैंक पासवर्ड, सोशल मीडिया पासवर्ड तक चोरी हो सकते हैं.

चोरी की जानकारी का इस्तेमाल

जब ठग को आपकी सारी जानकारी मिल जाती है तो वह बैंक अकाउंट से पैसे निकाल लेता है, अनऑथराइज्ड ट्रांजैक्शन करता है और पहचान का इस्तेमाल करके दूसरे फ्रॉड भी कर सकता है।

जीएसटी के दो स्लैब होंगे गेम चेंजर, 2047 तक हो सकता है एक स्लैब

सरकार दिवाली से पहले GST में बड़ा रिफॉर्म करने जा रही है। इस रिफॉर्म के बाद जीएसटी के केवल दो स्लैब रह जाएंगे। जिसका सीधा असर देश की इकोनॉमी पर पड़ेगा। आइए जानते हैं जीएसटी के इन रिफॉर्म के बारे में।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से ऐलान किया है दिवाली तक देश में जीएसटी में बड़ा रिफॉर्म किया जाएगा. इसके बाद वित्त मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सरकार जीएसटी के केवल दो स्लैब करने का प्लान बना रही है और इसके लिए जरूरी कदम उठाना शुरू कर दिया गया है।

हाल ही में जीएसटी कर में प्रस्तावित सुधारों को 'अगली पीढ़ी का जीएसटी' बताते हुए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि दो स्लैब वाली कर व्यवस्था क्रमिक रूप से एकल बिक्री/सेवा कर दर का रास्ता खोलेगी। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि 2047 तक एकल कर स्लैब हो सकता है।

GST के रहेंगे केवल ये दो स्लैब

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नयी जीएसटी व्यवस्था, जिसमें कर दरों को कम करते हुए केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब निर्धारित किए गए हैं, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी और शुल्क के खतरों को भी कम करने में मदद करेगी।अगर जीएसटी परिषद द्वारा प्रस्तावित दो स्लैब वाली व्यवस्था को मंजूरी मिल जाती है, तो यह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के मौजूदा चार स्लैब की जगह ले लेगी। इसके साथ ही 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के स्लैब खत्म हो जाएंगे।

GST के दो स्लैब से सस्ती होगी चीजें

इसे "अगली पीढ़ी का जीएसटी" बताते हुए एक सरकारी अधिकारी ने कहा, "यह एक क्रांतिकारी सुधार है। भारत में देखे गए आर्थिक सुधारों की श्रेणी में, यह सबसे ऊपर है।" उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था का अर्थ यह होगा कि लगभग सभी सामान्य उपयोग की वस्तुएं निम्न कर श्रेणी में आ जाएंगी, जिससे कीमतों में कमी आएगी और उपभोग को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारी ने कहा, "कर कम होने का मतलब है कि लोगों की जेब में ज़्यादा पैसा आएगा। इससे ज़ाहिर है खपत बढ़ेगी।"

विचार-विमर्श के बाद लिया फैसला

अधिकारियों ने इस कवायद के पीछे के तर्क को समझाते हुए कहा कि सरकार द्वारा रोज़मर्रा की ज़रूरी और सामान्य वस्तुओं पर पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने तथा बुरी समझे जाने वाली वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव एक बड़ा और सोच-समझकर उठाया गया कदम है।लगभग छह महीने की लगातार बैठकों और विचार-विमर्श के बाद किए गए इन बदलावों को इस तरह से तैयार किया गया है कि बार-बार कर दरों को बदलने की ज़रूरत न पड़े और कर में कटौती (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का पैसा कहीं अटका न रहे।

2047 तक होगा GST का एक स्लैब

अधिकारी ने बताया, "हमने अगली पीढ़ी के जीएसटी का सुझाव मध्यम वर्ग, गरीबों, किसानों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ध्यान में रखकर दिया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि रोज़मर्रा में इस्तेमाल होने वाली चीज़ों पर कर कम रहे।" अधिकारी ने कहा, "जब यह व्यवस्था पूरी तरह लागू हो जाएगी और भारत विकसित देश बन जाएगा, तब हम एक ही दर वाला जीएसटी लागू करने पर विचार कर सकते हैं। एक ही दर वाली व्यवस्था विकसित देशों के लिए ठीक रहती है, क्योंकि वहां आमदनी और खर्च करने की क्षमता लगभग समान होती है।" अधिकारी ने कहा, "अंतिम लक्ष्य एक ही कर स्लैब वाली व्यवस्था लाना है, लेकिन फिलहाल इसके लिए सही समय नहीं है।" अधिकारी ने कहा कि बदलाव की इस पूरी प्रक्रिया में हर नियम-कायदे का पालन किया जा रहा है। केंद्र सरकार नेतृत्व की भूमिका निभा रही है, लेकिन संवैधानिक जिम्मेदारी निभाते हुए दरों में संतुलन का काम मंत्रियों के समूह (जीओएम) के साथ मिलकर कर रही है। अधिकारी ने कहा, "हमने हर एक वस्तु को बारीकी से देखा है और कई मामलों में तीन-चार बार विचार भी किया है। चाहे किसानों के लिए कीटनाशक हों, छात्रों के लिए पेंसिल या एमएसएमई के लिए कच्चा माल हर वस्तु पर विस्तार से चर्चा की गई है और उसे आवश्यक या सामान्य वस्तुओं की श्रेणी में रखा गया है।"

पाकिस्तान में कुदरत का कहर, 48 घंटे में 340 की मौत, मलबे से शवों को निकालने की मशक्कत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अधिकारियों के मुताबिक 48 घंटों में अब तक करीब 340 लोगों की जान जा चुकी है और 137 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बुनेर, स्वात, शांगला, बट्टाग्राम, बाजौर और मनसेहरा समेत कुल 9 जिलों में राहत और बचाव कार्य के लिए करीब 2,000 कर्मचारी लगाए गए हैं। शनिवार को राहतकर्मियों ने बाढ़ और भूस्खलन से तबाह घरों के मलबे से 63 और शव बरामद किए। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में बारिश और भी तेज हो सकती है।

पाकिस्तान के बुनेर में बाढ़ से बच निकले एक चश्मदीद ने बताया कि उसने बाढ़ के तेज पानी में सैकड़ों पत्थर और भारी-भरकम चट्टानें गिरते

हुए देखीं। आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता मोहम्मद सुहैल ने बताया कि बुनेर में सैकड़ों राहतकर्मी अब भी जीवित लोगों की तलाश कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का यह इलाका शुक्रवार को मूसलाधार बारिश और बादल फटने से आई भयंकर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। बाढ़ में कई घर बह गए।

स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया बाढ़ का भयावह मंजर

बुनेर के डिप्टी कमिश्नर काशिफ कय्यूम ने बताया कि राहत दल पीर बाबा और मलिकपुरा गांवों से शव निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इन गांवों में सबसे ज्यादा लोगों की जान गई है। पाकिस्तान के बुनेर जिले में आई बाढ़ से बाल-बाल बचे स्थानीय पुलिस अधिकारी इम्तियाज खान ने भयावह मंजर को लेकर बताया कि तेज बहाव वाला पानी सैकड़ों पत्थरों और चट्टानों को अपने साथ लाकर कुछ ही मिनटों में पूरे गांव को तबाह कर गया। बुनेर के पीर बाबा गांव के पास अचानक नाले में बिना चेतावनी के तेज बाढ़ आ गई। पहले तो हमें लगा कि यह सामान्य बाढ़ है, लेकिन जब पानी के साथ भारी-भरकम चट्टानें टूटीं तो देखते ही देखते 60 से 70 घर बह गए। कई शव क्षत-विक्षत हालत में पड़े थे। हमारा पुलिस स्टेशन भी बह गया। अगर हम समय रहते ऊंचाई पर न चढ़ते तो शायद हम भी बच नहीं पाते।

पाकिस्तान के मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भारी बारिश हो सकती है। रविवार से उत्तर और उत्तर-पश्चिमी इलाकों में मानसून की गतिविधियां और तेज हो जाएंगी। इस बीच बचाव दल ने बताया कि पीर बाबा गांव का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया है। कई घर टूट गए हैं और पानी घटने के बाद सड़कों पर बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें जमा हो गई हैं।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही कई लोगों ने तोड़ा दम

45 साल के सुल्तान सैयद जिनका हाथ टूट गया था उन्होंने बताया कि यह सिर्फ बाढ़ का पानी नहीं था बल्कि पत्थरों की बाढ़ थी। ऐसा नजारा हमने पहली बार देखा। 53 वर्षीय मोहम्मद खान ने कहा कि बाढ़ अचानक आई कि कई लोग अपने घरों से निकल भी नहीं पाए। बुनेर के डॉक्टर मोहम्मद तारिक ने जानकारी दी कि ज्यादातर लोगों की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में कई बच्चे और पुरुष शामिल थे जबकि महिलाएं उस समय पहाड़ियों में जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने और मवेशी चराने गई थीं। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति सहित पाकिस्तानी नेताओं ने शोक जताया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

सामान्य से ज्यादा बारिश, जलवायु परिवर्तन वजह

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने कहा है कि सड़कों समेत क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने के काम तेजी से चल रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के अनुसार पाकिस्तान में इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। एक्सपर्ट इसका कारण जलवायु परिवर्तन को मान रहे हैं। तेज बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन में 26 जून से अब तक करीब 541 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को सामूहिक अंत्येष्टि के दौरान गमगीन माहौल रहा। चारों तरफ मातम पसरा हुआ था। इस बीच प्रशासन ने बुनेर में प्रभावित लोगों के लिए टेंट और भोजन की व्यवस्था की।

सुलेमान खान ने खोए परिवार के 25 सदस्य

शुक्रवार सुबह से ही स्थानीय मौलवी मुफ्ती फजल ने अलग-अलग जगहों पर जनाजे की नमाज पढ़वाई। सुलेमान खान नाम के स्कूल टीचर ने बताया कि कल तक यह इलाका जिंदगी से भरा हुआ था, लेकिन अब चारों ओर सिर्फ मातम पसरा है। सुलेमान ने अपने परिवार के 25 लोगों को बाढ़ में खो दिया। वो और उनका भाई इसलिए बच गए क्योंकि बाढ़ आने के समय वो घर पर मौजूद नहीं थे। पीर बाबा इलाके में लोग अपने प्रियजनों के शव लकड़ी के तख्तों पर रखकर ले जा रहे थे और दफनाने से पहले आखिरी रस्में निभा रहे थे। अस्पतालों में पैरामेडिक्स मृतकों के पास बर्फ रखते और घायलों को सहारा दे रहे थे।

चोसोटी गांव में दो दिन पहले आई बाढ़

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि इस हफ्ते खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान के उत्तरी इलाकों में भारी बारिश और उससे जुड़ी घटनाओं में कम से कम 351 लोगों की मौत हुई है। कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दूरदराज चोसोटी गांव में शनिवार को राहत और बचाव दल ने तलाशी अभियान चलाया।

पुतिन के बाद जेलेंस्की से मुलाकात... फिर दोनों को बैठाएंगे आमने-सामने, रूस-यूक्रेन जंग पर ऐसी है ट्रंप की प्लानिंग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को बताया है कि वे 22 अगस्त को एक ट्राइलैटरल समिट करना चाहते हैं, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी शामिल होंगे। जेलेंस्की 18 अगस्त को वॉशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस की मीटिंग में यूरोपीय देशों के नेताओं को भी इनवाइट किया है।

ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि अगर ये मीटिंग सफल रहती है तो अगली मीटिंग पुतिन के साथ होगी। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज का कहना है कि ट्राइलैटरल मीट सोमवार को होने वाली ट्रंप-जेलेंस्की मुलाकात के बाद होगी। हालांकि रूस की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रूसी समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं के साथ फोन पर बातचीत में एक शांति समझौते पर बातचीत का प्रस्ताव रखा। इसके तहत यूक्रेन रूस को डोनबास प्रांत के बाकी हिस्से सौंप देगा। इसमें वे इलाके भी शामिल हैं, जहां रूसी सेना नहीं पहुंची है। बदले में दो तरह की पेशकश की जाएगी। पहली- यूक्रेन के बाकी हिस्सों में युद्ध विराम। दूसरी- यूक्रेन और यूरोप दोनों के लिए सुरक्षा गारंटी।

पुतिन और ट्रंप ने 3 घंटे की थी बात

पुतिन और ट्रंप 15 अगस्त को अलास्का के एलमेनडॉर्फ-रिचर्डसन मिलिट्री बेस पर मिले थे। दोनों ने करीब 3 घंटे बात की। मीटिंग रूम में जाने से पहले दोनों ने लिमोजीन में आमने-सामने की बातचीत की। इसके बाद दोनों पक्षों के तीन-तीन लोगों ने ग्रुप डिस्कशन किया। रूसी प्रतिनिधिमंडल में क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शामिल थे, जबकि अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने किया।

ट्रंप बोले- दोनों देश अंतिम समझौते पर सहमत हों

मीटिंग के बाद पुतिन ने कहा कि बातचीत का फोकस यूक्रेन संघर्ष के समाधान पर था। वहीं ट्रंप ने पुतिन के साथ बातचीत को सकारात्मक बताया। बाद में ट्रंप ने जेलेंस्की, यूरोपीय संघ के नेताओं, नाटो महासचिव मार्क रूट और यूरोपीयन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी बात की। अलास्का समिट और फोन कॉल के बाद ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन और रूस को एक अंतिम शांति समझौते पर सहमत होना चाहिए।

वॉशिंगटन में ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन... नेशनल गार्ड्स की तैनाती पर गुस्सा, व्हाइट हाउस तक मार्च निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड्स की तैनाती के खिलाफ हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। इन्होंने व्हाइट हाउस तक मार्च निकाला और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान लोगों के हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां भी थीं। ट्रम्प ने 12 अगस्त को वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात करने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा कि राजधानी ऐसा राजधानी में बिगड़ी कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए किया जा रहा है।

वॉशिंगटन की रैली ड्यूपॉन्ट सर्कल से शुरू हुई। प्रदर्शनकारियों ने शर्म करो और ट्रंप को अब जाना होगाट जैसे नारे लगाए। उन्होंने ट्रंप के क्राइम इमरजेंसी घोषित करने ते आदेश को खत्म करने की मांग की। प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस की ओर

बढ़े और नारे लगाते रहे। वहीं डीसी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अफसर उन्हें दूर से देख रहे थे।

इमरजेंसी पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति की कोशिश

प्रदर्शन से 2 दिन पहले अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने ड्रग प्रवर्तन प्रशासन टेरी कोल को 'इमरजेंसी पुलिस कमिश्नर' नियुक्त करने की कोशिश की थी। कोल को डीसी पुलिस का पूर्ण कंट्रोल दिया जाएगा। अटॉर्नी जनरल ब्रायन श्वलब ने इसके खिलाफ फेडरल कोर्ट में अपील की और प्रशासन ने इस योजना को रद्द कर दिया। श्वलब ने कहा, हमारी पुलिस फोर्स पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा।

कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि डीसी पुलिस व्यवस्था पर ट्रंप के बढ़ते प्रभाव और नेशनल गार्ड के जवानों की मौजूदगी को लेकर चिंताए बढ़ रही हैं। एक स्थानीय जॉन स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें पता ही नहीं है कि वे क्या कह रहे हैं। मैं एक बूढ़ा श्वेत व्यक्ति हूं और हर समय सुरक्षित घूमता हूं। कई ग्रुप्त आने वाले हफ्तों में वाशिंगटन में और प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। व्हाइट हाउस ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

वर्जीनिया के गवर्नर 400 नेशनल गार्ड्स भेजेंगे

इस बीच, वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मॉरिसी ने शनिवार को घोषणा की कि वह ट्रंप की कार्रवाई के समर्थन में वाशिंगटन में 300 से 400 नेशनल गार्ड्स भेजेंगे। साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से 150 नेशनल गार्ड आएंगे। फिलहाल वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं, जिन पर सीधे तौर पर राष्ट्रपति का नियंत्रण है।

52 साल पुराने नियम का इस्तेमाल

राष्ट्रपति ट्रम्प ने 1970 के होम रूल एक्ट का इस्तेमाल किया है। यह राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि वह इमरजेंसी की हालत में 48 घंटे तक शहर की पुलिस का नियंत्रण ले सकते हैं। अगर राष्ट्रपति वॉशिंगटन डीसी से जुड़े कानून बनाने वाली संसद की समितियों को इसकी जानकारी दे दें, तो पुलिस का नियंत्रण लंबे समय तक रखा जा सकता है।

भाऊ गैंग ने ली एल्विश यादव के घर पर फायरिंग की जिम्मेदारी, कहा- बेटिंग एप ने कई घर बर्बाद किए

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के यूट्यूबर एल्विश यादव के घर में फायरिंग के मामले को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। रविवार सुबह एल्विश यादव के घर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी भाऊ गैंग के गैंगस्टर नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया ने ली। इस बात की जानकारी गैंग ने सोशल मीडिया के जरिए दी। फायरिंग करने का कारण बताते हुए उन्होंने पोस्ट में लिखा कि एल्विश ने बेटिंग ऐप को प्रमोट कर कई घर बर्बाद कर दिए हैं।

बता दें कि यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर पर रविवार सुबह 25 से 30 राउंड फायरिंग की गई थी। जिस समय यह घटना हुई उस वक्त एल्विश घर पर मौजूद नहीं थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी।

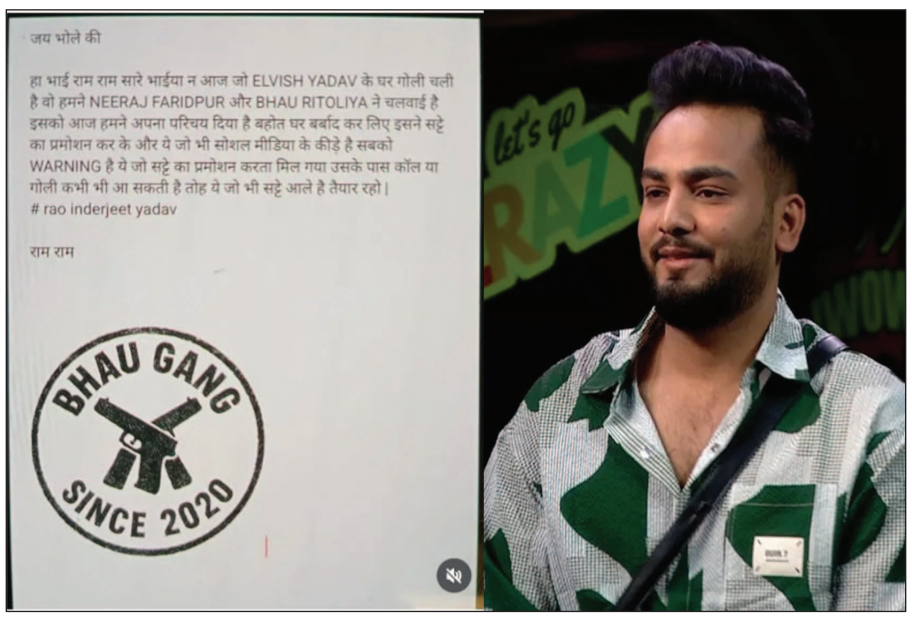

क्या लिखा था पोस्ट में ?

भाऊ गैंग द्वारा शेयर की गई पोस्ट में लिखा था कि आज जो एल्विश यादव के घर गोली चली है वह गोली नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया ने चलाई है। इसके आगे उन्होंने लिखा कि इसको आज हमने अपना परिचय दिया है। एल्विश ने सट्टे का प्रमोशन करके बहुत घर बर्बाद कर दिए है। पोस्ट में लिखा कि ये जो भी सोशल मीडिया के कीड़े हैं, सबको चेतावनी देता हूं कि जो भी सट्टे का प्रमोशन करता मिल जाएगा, उसके पास कॉल या गोली कभी भी आ सकती है। गैंग ने कहा कि जो भी सट्टे वाले हैं, तैयार रहो। फिलहाल इस पोस्ट की पुष्टि नहीं की गई है।

सिंगर फाजिलपुरिया के घर भी की थी फायरिंग

बता दें कि एल्विश यादव से पहले बॉलीवुड सिंगर फाजिलपुरिया और उनके फाइनेंसर के घर पर भी फायरिंग हो चुकी है। इस फायरिंग की जिम्मेदारी भी भाऊ गैंग के गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने ही ली।

जानकारी के अनुसार, फायरिंग के समय घर पर एल्विश की मां और केवल केयर टेकर मौजूद था। एल्विश घर पर मौजूद नहीं थे, वह विदेश में थे। एल्विश के पिता ने बताया कि करीब 25 से 30 राउंड गोलियां चलाई गई है, जबकि पुलिस का कहना कि केवल 10-12 राउंड ही फायरिंग हुई है। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार यह घटना करीब 5।30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि तीन बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे, जिसमें से दो ने फायरिंग की थी। गैंग द्वारा की गई फायरिंग में किसी के घायल की सूचना नहीं मिली थी।

मछली फ्राई-मटन से लेकर दाल-चावल-पूड़ी तक... शिबू सोरेन के संस्कार भोज में उमड़े लाखों लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु शिबु सोरेन के संस्कार भोज में, वहां पहुंचे आम से लेकर खास मेहमानों के लिए कुल 12 तरह के व्यंजन परोसे गए, जिसमे दाल, चावल, पूड़ी, आलू परवल की सब्जी , मिक्स भेज, मछली फ्राई, मटन, दही, रसगुल्ला, गुलाब जामुन, बुंदिया, पापड़, सलाद आदि शामिल था। इसके साथ ही गुरु जी शिबु सोरेन के पसंद की पकौड़ी भी बनी थी। करीब 2 लाख से ज्यादा लोगों का इंतजाम था और देर रात तक संस्कार भोज चलता रहा। संस्कार भोज में शाकाहारी खाने वाले आगंतुकों के लिए अलग व्यवस्था थी और मांसाहारी खाने वालों के लिए अलग व्यवस्था थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं संस्कार भोज में शामिल होने के लिए पहुंचे अति विशिष्ट ,विशिष्ट मेहमानों के साथ-साथ लाखों की संख्या में पहुंचे आगंतुकों से मिलकर उनके भोज खाने के संदर्भ में जानकारी हासिल कर रहे थे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संस्कार भोज को लेकर रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड के नेमरा गांव मे प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरीके से मुम्मल रखी गई थी।

दिशा एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सिसई (झारखंड) केंद्र में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित

झारखंड। आज, 15 अगस्त को झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन (JSDM) के अंतर्गत संचालित दिशा एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी सिसई केंद्र में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय श्री रमेश कुमार यादव (बीडीओ) सर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

इस कार्यक्रम में शिक्षकों, प्रशिक्षणार्थियों एवं स्थानीय समुदाय के गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में बीडीओ सर ने स्वतंत्रता के महत्व, राष्ट्रीय एकता, और समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने सभी उपस्थितजनों को राष्ट्र के विकास और सामाजिक कल्याण कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह का वातावरण पूर्ण रूप से देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा, जिसमें सभी ने मिलकर राष्ट्रीय गान गाया। कार्यक्रम का समापन मिठाइयों के वितरण के साथ हुआ, जिससे सभी के मन में गौरव और एकता की भावना जागृत हुई।

बहुत सारा प्यार और थोड़ा सा वॉर लेकर आ रहे आर्यन खान, 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के बड़े बेटे आर्यन खान भी अब बॉलीवुड में एंट्री को तैयार हैं। हालांकि, आर्यन पिता की तरह एक्टिंग में नहीं बल्कि निर्देशक के तौर पर बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। आर्यन अपना डेब्यू ओटीटी से कर रहे हैं। आज उनके डेब्यू शो 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की पहली झलक सामने आ गई है।

एक्शन और रोमांस से भरपूर होगा शो

1 मिनट 26 सेकंड के इस वीडियो में आर्यन खान सबसे पहले नजर आते हैं। वो अपने इस शो के बारे में बताते हैं। आर्यन अपने पिता शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' का सुपरहिट डायलॉग 'एक लड़की थी दीवानी सी' बोलते हैं। इसी दौरान उनके शो की झलक भी देखने को मिलती है। जिसमें 'किल' फेम लक्ष्य लालवानी और आन्या सिंह नजर आते हैं। दोनों के बीच एक लव स्टोरी दिखाई जाती है। फिर टिपिकल बॉलीवुड फिल्म की तरह एक्शन और ड्रामा भी नजर आता है। जिससे जाहिर होता है कि आर्यन खान की यह वेब सीरीज एक फुल टिपिकल बॉलीवुड फिल्मों का मसाला होने वाली है। क्योंकि ये कहानी है बॉलीवुड की।

अब शुरू होगा शो

इस फर्स्ट लुक वीडियो में आर्यन खान कहते नजर आते हैं कि अब तक आपने बॉलीवुड को बहुत सारा प्यार और वॉर दिया है। मेरे शो में भी आपको बहुत सारा प्यार और थोड़ा सा वॉर देखने को मिलेगा, क्योंकि ये कहानी है बॉलीवुड की। इससे साफ है कि 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में एक्शन और रोमांस के साथ भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा। वीडियो में आर्यन कहते हैं पिक्चर तो कई साल से बाकी है, लेकिन शो अब शुरू होगा। आर्यन खान ने 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को न सिर्फ डायरेक्ट किया है बल्कि लिखा भी है। अब 20 अगस्त को 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रिव्यू सामने आएगा, जिसमें शो के बारे में और भी जानकारी पता लग सकती है।

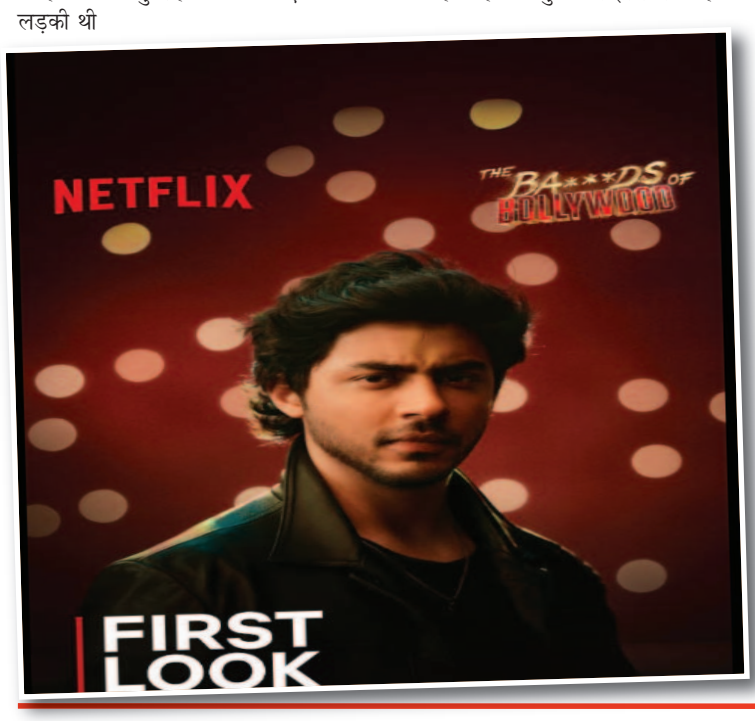

नेटफ्लिक्स पर आएगी 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

आर्यन 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से इंडस्ट्री में अपने कदम रख रहे हैं। आर्यन इस शो से बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। इसकी घोषणा के बाद से ही फैंस इसके लिए काफी उत्साहित थे। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है। वैसे तो अभी पूरी कास्ट की जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन जिन्हें फर्स्ट लुक के साथ सोशल मीडिया पर मेंशन किया गया है उनमें बॉबी देओल, राघव जुयाल और मोना सिंह जैसे सितारे शामिल हैं। जिससे पता चलता है कि आर्यन के शो में ये किरदार भी नजर आएंगे।

शाहरुख का होगा कैमियो

एक दिन पहले एक्स पर आस्क एसआरके सेशन में कई लोगों ने शाहरुख से आर्यन के पहले शो के बारे में पूछा था। जिस पर नेटफ्लिक्स ने बड़े ही खास अंदाज में यह बताया था कि आर्यन के शो की पहली झलक कल रिलीज होगी। इसी सेशन के दौरान जब लोगों ने सीरीज की कास्ट के बारे में पूछा तो शाहरुख ने बताया था कि आर्यन की सीरीज में इंडस्ट्री के कई प्यारे दोस्तों ने हिस्सा लिया है। वो इसके लिए उन सभी के आभारी हैं। साथ ही शाहरुख ने अपने कैमियो को भी कंफर्म किया था। उन्होंने कहा था कि 'मैं तो हूं ही, हक से'।

प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' के मेकर्स ने तोड़ी चुप्पी, वर्कर्स की सैलरी से जुड़े आरोपों पर दिया जवाब

हाल ही में साउथ सुपरस्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'द राजा साब' के मेकर्स विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। अब उन्होंने कर्मचारियों को सैलरी भुगतान ना करने के आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है।

अभिनेता प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'द राजा साब' उस समय सुर्खियों में आ गई, जब फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पर फिल्म निर्माण संबंधी नियमों का पालन ना करने का आरोप लगा। इसी के बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया। अब फिल्म निर्माण कंपनी ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी और सफाई दी है। आइए जानते हैं क्या बोले मेकर्स।

क्या बोले मेकर्स ?

'द राजा साब' फिल्म के मेकर्स ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए आरोपों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में काम कर रहे कर्मचारियों को लगभग 60 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसके अलावा उन्होंने बताया, 'जुलाई के दौरान किए गए काम के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये का भुगतान अभी भी बाकी है।' सैलरी संबंधी समस्याओं को स्वीकारते हुए फिल्म के मेकर्स ने आतंरिक भुगतान संबंधी बातों को सार्वजनिक करने पर आलोचना भी की।

कब मिलेगा कर्मचारियों को पैसा ?

मेकर्स ने आगे कहा, 'पिछले दो हफ्तों से कर्मचारियों की अनुपलब्धता, अचानक हड़ताल और अगली अनुसूची शुरू न होने के कारण यह देरी हुई है। हमने काम करने वाले कर्मचारियों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए अपनी नीति में बदलाव किया है और इसी हफ्ते भुगतान करने का फैसला किया है।'

द राजा साब फिल्म के बारे में

फिल्म 'द राजा साब' में प्रभास और मालविका के साथ निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसे पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बनाया गया है। प्रभास की इस फिल्म को पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। मारुति द्वारा निर्देशित यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com